



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 153 ]  
No. 153]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 24, 2003/आषाढ़ 3, 1925  
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 24, 2003/ASADHA 3, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अंतिम जाँच परिणाम

नई दिल्ली, 24 जून, 2003

विषय : चीन जन. गण. और सिंगापुर के मूल अथवा वहाँ से निर्यातित डी(—) पैरा हाईड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन बेस डेन साल्ट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 14/23/2002-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की प्रहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का ऑकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है —

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को नियमावली के अधीन घरेलू उद्योग की ओर से मै. दौराला आर्गेनिक्स लि., दौराला भेरठ, उत्तर प्रदेश से लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें चीन पी आर सिंगापुर (जिसे इसके बाद संबद्ध देश/क्षेत्र कहा गया है) के मूल के और वहाँ से निर्यात किए गए डी(—) पैरा हाईड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन मिथाइल पोटाशियम डेन साल्ट जिसे पी.एच.पी.जी. डी.एस. के नाम से भी जाना जाता है (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है;

(ii) प्राधिकारी ने उक्त नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए पूर्णरूप से प्रलेखित याचिका के प्राप्त होने की सूचना के बारे में सम्बद्ध देशों के दूतावासों को दी।

(iii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची-I के शीर्ष सं. 2942 के अंतर्गत आने वाले डी(—) पैरा हाईड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन मिथाइल पोटाशियम डेन साल्ट के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरम्भ करते हुए दिनांक 25 जून 2002 को भारत के राजपत्र, असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना जारी की;

(iv) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों, आयातकों उद्योग एसोसिएशनों तथा शिकायतकर्ता को उक्त सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया;

(v) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6 के उपनियम (3) के अनुसार याचिका की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के भारत स्थित राजनायिक दूतावास को भेजी;

(vi) प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए चीन पी आर और सिंगापुर के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी :—  
मैसर्स कनेका सिंगापुर कं. (पी टी ई) लि., सिंगापुर और मैसर्स हेंगडिआन ग्रुप जियायूआन कैमिकल कं. लि. ज़ेज़आंग, चीन ने प्रश्नावली का उत्तर भेजा है।

(vii) नई दिल्ली स्थित चीन पी आर के दूतावास और सिंगापुरके उच्चायोग को भी जाँच आरंभ होने की सूचना दी गई थी और उनसे अपने देश के निर्यातकों / उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भर कर भेजने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था;

(viii) याचिका में उल्लिखित संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित उपयोक्ताओं / आयातकों को प्रश्नावली भेजी गई थी :—

- मै. अरबिन्दो फार्मा. लि., हैदराबाद
- मै. लूपिन लेबोरेटरीज लि., मुम्बई

- मै. कोपरान इंग्स लि., रम्यगढ़
- मै. सूर्या फार्मास्यूटीकल लि., चंडीगढ़
- मै. टोरेंट गुजरात बायोटेक लि., अहमदाबाद
- मै. रैनबैकर्सी लेबोरेटरीज लि., नई दिल्ली
- मै. टिनी फार्मा. लि., मुम्बई

मै. टोरेंट गुजरात बायोटेक लि., अहमदाबाद को छोड़कर किसी अन्य उपयोक्ता / आयातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

(ix) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 1 अक्टूबर, 2002 की अधिसूचना के द्वारा प्रारंभिक जाँच परिणामों को जारी किया तथा प्रारंभिक जाँच परिणामों की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और उद्योग संघों को भेजी तथा उन्हें अपने विचारों से लिखित रूप में पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अवगत कराने के लिए अनुरोध किया;

(x) प्राधिकारी ने भारत में पी.एच.पी.जी. डेन साल्ट के ज्ञात आयातकों को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें अपने विचारों से लिखित रूप में पत्र की तारीख के 40 दिनों के भीतर अवगत कराने का अनुरोध किया;

(xi) प्राधिकारी ने प्रारंभिक जाँच परिणामों की एक प्रति संबद्ध देशों के दूतावासों को भी इस अनुरोध के साथ भेजी कि प्रारंभिक जाँच परिणामों पर अपने विचार प्रस्तुत करने हेतु निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों को सलाह दी जाए;

(xii) क्षति के बारे में अतिरिक्त सूचना, यदि कोई हो, विभिन्न हितबद्ध पक्षों से मांगी गई, जो प्रस्तुत कर दी गई थी;

(xiii) प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उपलब्ध कराई और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा। सभी पार्टियों जिन्होंने लिखित में निरीक्षण करने हेतु अनुरोध किया था, उन्हें सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण करने की अनुमति दी गई;

(xiv) प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई सामा तक जाँच के लिए सूचना माँगी और उसे सत्यापित किया और याचिकाकर्ता के परिसरों की जाँच की।

(xv) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर सामान्यतया खीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए जी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं की इष्टतम उत्पादन लागत तथा भारत में इसके निर्माण तथा बिक्री की लागत निकालने के लिए लागत जाँच की।

(xvi) इस जाँच में 1 जुलाई, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक (9 माह) की अवधि शामिल है।

(xvii) प्राधिकारी ने 18.12.2002 को सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था। इसके अलावा मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों की लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों से, प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियाँ लेने और उसका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;

(xviii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों / आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया।

(xix) इस अधिसूचना \*\*\* से हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है।

#### **ख. विचाराधीन वस्तु और समान वस्तुएं**

3. (i) डी(—) पैरा हाईड्रोकर्सी फिनाइल ग्लाइसिन मिथाइल पोटाशियम डेन साल्ट निम्नलिखित नामों से भी जाना जाता है :

(i) डी(–) पैरा हाईड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन डेन साल्ट (मिथाइल पोटैशियम)

(ii) डी(–) अल्फा पैरा हाईड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन डेन साल्ट (मिथाइल पोटैशियम)

(iii) डी(–) अल्फा पैरा हाईड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन, मिथाइल पोटैशियम डेन साल्ट

(iv) डी(–) अल्फा पैरा हाईड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन, मिथाइल एसिटो एसिटेट पोटैशियम साल्ट (डेन साल्ट) (इसके बाद इन्हें संबद्ध वर्स्तु कहा गया है)।

(ii) याचिकाकर्ता का कहना है कि विभिन्न आयातकों/उत्पादकों द्वारा डी (-) पैरा हाईड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसीन बेस (जिसे इसमें इसके बाद पी.एच.पी.जी.बेस कहा गया है) को भारत में मुख्यतया आयात किया जाता है जो कि इन सीटू डी (-) पैरा हाईड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन मिथाइल पोटैशियम में परिवर्तित किया जाता है और एमोक्सीलीन और सिफाइड्रोक्सील (अर्थात् बल्क छाग) बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है।

(iii) पीएचपीजी बेस को सीधा एमाक्सीलीन बनाने के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है यह केवल पूर्वोक्त को पीएचपीजी डीएस में बदलने के बाद ही होता है; इसे अब एमोक्सीलीन आदि बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। यह परिवर्तन या तो पीएचपीजी/पीएचपीजी डीएस उत्पादकों के यहाँ किया जाता है अथवा प्रयोक्ताओं अर्थात् एमाक्सीलीन आदि बनाने वालों के यहाँ।

(iv) पीएचपीजी की सभी किस्में अध्याय शीर्ष 29.42 में वर्णीकृत हैं। आईटी सी आठ अंक वर्गीकरण के अनुसार पीएचपीजी डीएस एक अन्य श्रेणी अर्थात् 29420017 में वर्गीकृत है यह जॉच विचाराधीन वर्स्तु के लिए है चाहे उसका आयात किसी भी श्रेणी में किया गया हो सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतक है और किसी भी तरह वर्तमान जॉच के लिए बाध्यकारी नहीं है। विचाराधीन उत्पाद के बारे में किसी भी हितबद्ध पार्टी से कोई टिप्पणी नहीं है। अतः प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के बारे में प्रारंभिक जॉच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

(v) पाटनरोधी नियम के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट किया गया है कि समान वस्तु एक ऐसी वस्तु है जो हर तरह से जाँचाधीन उत्पाद के समान या समनुरूप है अथवा किसी वस्तु के अभाव में कोई दूसरी वस्तु जिसमें जाँच के अधीन वस्तुओं से अत्याधिक मिलती जुलती विशेषताएं हैं।

(vi) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु हैं। विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु की परिभाषा के बारे में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा कोई विवाद नहीं उठाया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पीएचपीजी डीएस की विशेषताएं संबद्ध देश से आयातित पीएचपीजी डीएस की विशेषताओं के समान हैं उपरोक्त के मददे नज़र प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पीएचपीजी डीएस तथा संबद्ध देशों से आयात किये जा रहे पीएचपीजी डीएस क्षति का निर्धारण करने के प्रयोजन से आयात किये जा रहे पीएचपीजी डीएस क्षति का निर्धारण करने के प्रयोजन से नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं।

ग. न्यूनतम सीमाएं

4. याचिकाकर्ता ने यह अभ्यावेदन दिया है कि डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों में दर्शाए गए आंकड़े प्रतिनिधिक नहीं हैं क्योंकि डीजीसीआई एंड एस द्वारा दिए गए आंकड़ों में अन्य डेन साल्ट भी सम्मिलित हैं जिन्हें संबद्ध वस्तु के साथ जोड़ा जा सकता है चूंकि डीजीसीआई एंड एसके आंकड़ों में पीएचपीजी बेस के आयात संबंधी सही आंकड़े नहीं दिए गए हैं इसलिए याचिकाकर्ता ने (गौणस्रोत अर्थात् इंटरनेशनल बिज़नेस इन्फॉरमेशन सर्विसिज मुम्बई) (आईबीआईएस) के आंकड़ों पर विश्वास किया है। अभिकरण द्वारा दिए गए आंकड़े सीमा शुल्क दैनिक सूचियों पर आधारित है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीएचपीजी डीएस को सीमाशुल्क टैरिफ के अनुसार अन्य श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है अतः डीजीसीआई एंड एस आंकड़े इन परिस्थितियों में विश्वसनीय नहीं हो सकते हैं। पिछले दो वर्षों के लिए आईबीआईएस के आयात संबंधी आंकड़ों की जाँच की अवधि के लिए माहवार आंकड़ों से

यह संकेत मिलता है कि जॉच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयात न्यूनतम सीमा से अधिक रहे हैं।

#### घ. जॉच की शुरूआत स्थिति तथा घरेलू उद्योग

5. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार "घरेलू उद्योग का अर्थ है घरेलू उत्पादक जो समान वस्तु के विनिर्माण में तथा उनसे जुड़े किसी कार्य-कलाप में लगे हों अथवा वे जिनका कथित वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात हो सिवाय इसके कि ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा वे स्वयं उनके आयातक हों, इस स्थिति में ऐसे उत्पादक घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं समझे जाएँगे।"

घरेलू उद्योग की उपर्युक्त परिभाषा को नियमावली के नियम 5 द्वारा आगे स्पष्ट किया गया है जिसे निम्नानुसार पढ़ा जाए :—

"----- आवेदन घरेलू उद्योग अथवा उनकी ओर से किया गया तभी माना जाएगा, जब उसे ऐसे घरेलू उत्पादकों का समर्थन प्राप्त हो जिनका संचयी उत्पादन घरेलू उद्योग के उस भाग, जिसका आवेदन के लिए समर्थन अथवा विरोध, जैसा भी मामला हो, व्यक्त करते हुए समान वस्तु के कुल उत्पादन के 50% से अधिक हिस्सा बनता हो।

याचिका मैसर्स दौराला ऑर्गेनिक्स लिमिटेड, दौराला, मेरठ, यू.पी. द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वे संबद्ध वस्तु के भारत में एकमात्र उत्पादक हैं।

6. आयातक मैसर्स टॉरेंट बायोटेक द्वारा स्थिति तथा घरेलू उद्योग के बारे में किए गए अनुरोध

सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का औंकलन तथा संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 के प्रावधनों के अनुसार पाटनरोधी आवेदन घरेलू उद्योग

द्वारा अथवा उनकी ओर से दायर किया गया है। संगत नियम, नियम 5 है, जिसे नीचे दोहराया गया है—

"5. जाँच आरंभ करना—

"..... (3) निर्दिष्ट प्राधिकारी तब तक उप-नियम(1) के तहत आवेदन के अनुसरण में जाँच आरंभ नहीं करेगे जबतक—

(क) समान उत्पाद के घरेलू उत्पादक द्वारा व्यक्त आवेदन के समर्थन या विरोध के स्तर की जाँच के आधार पर यह निर्धारित न किया जाए कि आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उनकी ओर से किया गया है:

कोई भी जाँच आरंभ नहीं की जाएगी यदि आवेदन का समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का हिस्सा घरेलू उद्योग द्वारा समान वरतु के कुल उत्पादन का 25 प्रतिशत से कम बनता है, तथा

(ख) आवेदन में उपलब्ध कराए गए साक्ष्य की यथार्थता तथा पर्याप्तता की जाँच न की जाए तथा स्वयं को इस बात से संतुष्ट न किया जाए कि निम्नांकित के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य है—

- (i) पाटन;
- (ii) क्षति, जहाँ लागू हो; तथा
- (iii) जहाँ लागू हो, जाँच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए ऐसे पाटित आयातों तथा आरोपित क्षति के बीच कारणात्मक संबंध।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजनार्थ आवेदन को घरेलू उद्योग द्वारा या उनकी ओर से किया गया माना जाएगा जब उसे ऐसे घरेलू उत्पादकों का समर्थन प्राप्त हो जिनका संचयी उत्पादन घरेलू उद्योग के आवेदन का समर्थन अथवा विरोध, जैसा भी मामला हो, व्यक्त करने वाले समान वरतु के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत रो अधिक बनता हो।

....." (जोर दिया गया)

7. उपर्युक्त पाटनरोधी नियमावली के उपबंधों को साधरणतया पढ़ने से निम्नांकित बातों पर प्रकाश पड़ता है –

(क) नियम 5(3) के अनुसार जाँच शुरू करने से पहले न कि उसके बाद आधार का विवेकपूर्ण निर्धारण प्राधिकारी के लिए अनिवार्य है। दूसरे शब्दों में, जाँच की प्रक्रिया शुरू करने से पहले आधार के निर्धारण की शर्त को पूरा करना एक पूर्वापेक्षा है।

(ख) प्राधिकारी उस स्थिति में जाँच की शुरूआत नहीं करेगा यदि आवेदन का स्पष्टतः समर्थन देने वाले घरेलू उत्पादकों का हिस्सा कुल उत्पादन के 25 प्रतिशत से कम बनता है।

(ग) आवेदन को कम से कम उन घरेलू उत्पादकों का समर्थन अवश्य ही प्राप्त होना चाहिए जिनका सामूहिक उत्पादन, समर्थन अथवा विरोध, जैसा भी मामला हो, व्यक्त करने वाले घरेलू उद्योग के उक्त भाग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक बनता हो।

8. प्रारंभिक जाँच परिणामों में, माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स दौराला ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (डी ओ एल) विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है। आवेदन तथा प्रारंभिक जाँच परिणामों से यह भी देखा गया है कि आवेदन डी ओ एल द्वारा दायर किया गया है, जिसने विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक होने का दावा किया है। सविनय निवेदन है कि याचिकाकर्ताओं ने स्वयं को विचाराधीन उत्पाद के एकमात्र उत्पादक होने का दावा करके प्राधिकारी को गुमराह किया है। दुर्भाग्यवश, जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना तथा सार्वजनिक फाइल से यह प्रतीत होता है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा भी, देश में संबद्ध वस्तुओं के वास्तविक कुल उत्पादन का पता लगाने के लिए कोई जाँच नहीं की गई थी जो कि हमारी राय में जाँच शुरू करने से पहले की एक शर्त है।

9. यह भी पुनः स्मरण किया जा सकता है कि सार्वजनिक सुनवाई के दौरान माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के ध्यान में यह लाया गया था कि पीएचपीजी साल्ट का प्रयोग केवल एमोविसलिन के उत्पादन में होता है। घरेलू उद्योग ने भी अपने आवेदन में इस तथ्य का उल्लेख किया है। चूंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए जाँच शुरू करने से पहले याचिका दायर करने के लिए घरेलू उद्योग का आधार निर्धारित करने की ज़रूरत होती है, इसलिए यह आवश्यक था कि जाँच शुरू करने से पहले तथ्यों को सभी उपलब्ध स्रोतों से इकट्ठा किया जाता। जैसा कि सार्वजनिक सुनवाई के दौरान उल्लेख किया गया था, उपयोगकर्ता उद्योग को यह आशंका है कि संबद्ध वस्तुओं के कई अन्य विनिर्माता हैं जिनके नाम को घरेलू उद्योग ने माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी से जानबूझकर छिपाए रखा। यह भी उल्लेख किया जा सकता है कि टी जी बी एल भी संबद्ध वस्तुओं का एक विनिर्माता है, यह एक ऐसा तथ्य है जो घरेलू उद्योग की जानकारी में है, किन्तु इसे माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने यह दावा किया था कि केवल अपने उत्पाद बेचने वाले उत्पादक को घरेलू उद्योग मानना पूर्णतः आधारहीन है या पाटनरोधी नियमावली के किसी उपबंध में ऐसा उल्लेख नहीं है। प्राधिकारी यह भी नोट कर सकते हैं कि टी जी बी एल ने भी कुछ मात्रा में वस्तुओं को बेचा है। उसी प्रकार, हम समझते हैं कि ऐसे अन्य उत्पादक हैं जिन्होंने बल्कि औषध के अन्य विनिर्माताओं को संबद्ध वस्तुओं की बिक्री/आपूर्ति की है। प्राधिकारी का यह दायित्व बनता था कि वे पहले याचिकाकर्ता के दावों की जाँच करें तथा इसके बाद ही वे यह निर्धारित करें कि वर्तमान कार्यवाही की शुरूआत की जाए या नहीं।

10. आयातक ने अनुबंध 'क' के रूप में एक सूची प्रस्तुत की है जो यह दर्शाती है कि भारत में डेन साल्ट के अन्य उत्पादक हैं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ताओं ने आधार पर निर्णायक जानकारी जानबूझकर रोक रखी है जिससे दुर्भाग्यवश माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी गलत निर्धारण करने के लिए अभित छुपे। हम यह भी कहना चाहेंगे कि चूंकि यह जाँच शुरू करने से पहले का निर्णय है जिसमें जाँच की इस अवस्था में

सुधार नहीं किया जा सकता, जैसा कि विभिन्न डब्ल्यूटी.ओ. के पैनल निर्णयों में कहा गया है।

### 11. प्राधिकारी द्वारा जाँच-

प्राधिकारी ने संबद्ध जाँच में घरेलू उद्योग की स्थिति और उसके आधार के बारे में सभी हितबद्ध पार्टियों के तर्कों की जाँच की है। कुछ हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह दावा किया गया है कि संबद्ध वस्तु के ऐसे अनेक अन्य विनिर्माता हैं जिनके नाम का घरेलू उद्योग द्वारा जानबूझकर निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष खुलासा नहीं किया गया है। उन्होंने संबद्ध वस्तु के उत्पादकों में से एक उत्पादक के नाम का उल्लेख किया है और उन्होंने यह कहके प्राधिकारी के समक्ष गोपनीय अनुरोधों में अपना उत्पाद शुल्क संबंधी पंजीकरण प्रमाणपत्र को प्रस्तुत किया कि उक्त कंपनी के पास संबद्ध वस्तु के विनिर्माण के अपेक्षित पंजीकरण प्रमाणपत्र हैं। प्राधिकारी इस बात को स्मरण करते हैं कि जाँच शुरूआत के समय उसने सभी हितबद्ध पार्टियों में उचित प्रश्नावली प्रचालित की थी ताकि वे प्राधिकारी को संबद्ध जाँच से संबद्ध अपेक्षित सूचना प्रस्तुत कर सकें। यह भी स्मरण किया जाता है कि प्रारंभिक जाँच परिणामों की एक प्रति, टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के लिए आयातक द्वारा अपने गोपनीय अनुरोधों में उल्लिखित एक पार्टी सहित सभी हितबद्ध पार्टियों के पास भी भेजी गई थी। इसके अलावा सार्वजनिक सुनवाई के दौरान आयातक द्वारा उल्लिखित पार्टी सहित सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने तथा लिखित अनुरोध/उत्तर प्रदान करने के लिए अवसर उपलब्ध कराया गया था। यह उल्लेख किया जाता है कि मैसर्स टोरेंट गुजरात बायोटेक लिमिटेड, जो संबद्ध वस्तु का एक आयातक है को छोड़कर किसी भी हितबद्ध पार्टी तथा सिंगापुर के निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने सुनवाई में भाग नहीं लिया था तथा उत्तर प्रस्तुत किए। अतः प्राधिकारी स्मरण करते हैं कि सभी हितबद्ध पार्टियों को जाँच से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। इसके अलावा मैसर्स \*\*\*\*\* जिसके नाम का उल्लेख संबद्ध वस्तु के अन्य उत्पादक के रूप में आयातक द्वारा अपने गोपनीय अनुरोधों में किया गया है, ने 5 अगस्त 2002 को प्रारंभिक जाँच परिणामों से पूर्व यह कहते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी

को उत्तर प्रस्तुत किया है कि मैसर्स दौराला ऑर्गेनिक्स लिमिटेड भारत में इस सामग्री का एकमात्र उत्पादक है। उत्पादक ने आगे यह कहा है कि पी.एच.पी.जी. बेस पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से व्यापार पहले से ही बाधित हो चुका है तथा पी.एच.पी.जी. डेन साल्ट पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उद्योग की वित्तीय स्थिति और अधिक खराब हो जाएगी तथा जीवन-रक्षक दवाईयाँ घरेलू प्रयोक्ताओं के लिए और अधिक महंगी हो जाएँगी। उन्होंने यह भी कहा है कि यह मैसर्स दौराला ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के लिए एकाधिकार का व्यवसाय बन जाएगा। प्राधिकारी आगे यह स्मरण करते हैं कि इसी प्रकार का पत्र मैसर्स सूर्या मेडिकेयर लि., चंडीगढ़ तथा मैसर्स मोरपेन लैब्स लि., नई दिल्ली से भी क्रमशः 3 और 5 अगस्त को प्राप्त हुआ था जिसमें उपर्युक्त हितबद्ध पार्टी द्वारा प्रस्तुत किए गए विचारों के अनुरूप विचार प्रस्तुत किए गए।

12. यहाँ तक कुछ एक हितबद्ध पार्टीयों के स्तर का संबंध है, के ऐसे अन्य विनिर्माता भी होंगे जो अपनी खुद की कैप्टिव खपत हेतु संबद्ध वस्तु का उत्पादन कर रहे होंगे और उनके उत्पादन को भी याचिकाकर्ता के आधार के निर्धारण हेतु ध्यान में रखा जाना चाहिए। प्राधिकारी का विचार है कि किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा संबद्ध वस्तुओं की कैप्टिव खपत आधार संबंधी पहलू के लिए अर्हत नहीं होगी क्योंकि हितबद्ध पार्टीयों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन एवं उसकी बिक्री आधार के मुद्दे के लिए प्रासंगिक होगी।

13. इन अभिमतों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह अभिधारण करने का प्रस्ताव रखते हैं कि मैसर्स दौराला ऑर्गेनिक्स लि., दौराला, मेरठ भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है और उसके पास, नियम 2 (ख) के अंतर्गत, घरेलू उद्योग के रूप में याचिका दायर करने का अपेक्षित आधार है। तदनुसार याचिकाकर्ता उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(3)(क) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने के आधार संबंधी मानदंड को पूरा करता है।

#### जाँच अवधि

14. प्राधिकारी ने जाँच अवधि 1 जुलाई, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक की ली है जो कि जाँच हेतु नवीनतम अवधि है, क्योंकि यह मामला 25 जून, 2002 को शुरू किया गया था। यह अवधि तिमाहियों के समाप्त होने तथा पूर्ण ऑकड़े प्राप्त करने की व्यवहार्यता के कारण भी ली गई थी। प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि पाटनरोधी जाँच हेतु 9 माह का समय पर्याप्त और उचित है क्योंकि इसमें तीनों तिमाहियाँ भी शामिल हो जाती हैं जिनके लिए संगत ऑकड़े उपलब्ध हो सकते हैं।

15. अन्य विचार : आयातक मैटोरेंट गुजरात बायोटेक के विचार

- (i) अमॉक्सिससिलिन के विनिर्माण के लिए डी(-) पैरा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लायसीन डेन सॉल्ट (डेन सॉल्ट) एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक है। डी(-) पैरा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लायसीन डेन बेस (डेन बेस), डेन सॉल्ट के विनिर्माण के लिए आवश्यक एक आधारभूत कच्ची सामग्री है। एक टन अमॉक्सिससिलिन के विनिर्माण में हमें लगभग 862 किलोग्राम डेन सॉल्ट की आवश्यकता होती है तथा 1 टन डेन साल्ट के विनिर्माण के लिए हमें 562 किलोग्राम डेन बेस की आवश्यकता होती है। इस प्रकार, देश में विनिर्मित हो रहे अमॉक्सिससिलिन की 4500/5000 मी. टन की कुल मात्रा को देखते हुए डेन सॉल्ट की माँग 3800/4300 मी. टन अथवा डेन बेस की माँग 2100/2400 मी. टन तक आती है।
- (ii) अप्रैल 2001 के दौरान दौराला ऑर्गेनिक्स लि. (डी.ओ.एल.) ने 3800/4300 मी. टन की अनुमानित ज़रूरत की तुलना में डेन सॉल्ट की 400/500 मी. टन की अनुमानित स्थापित क्षमता के साथ डेन बेस/डेन सॉल्ट का विनिर्माण शुरू किया था। इस प्रकार डी.ओ.एल. की उत्पादन क्षमता अनुमानित घरेलू ज़रूरत की मुश्किल से 10% है।
- (iii) यथाधोषित पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव निम्नानुसार होगा :
  - (क) अमाक्सिससिलिन की लागत 20% तक बढ़ जाएगी।
  - (ख) निर्यातकों द्वारा कीमत में यथासंभव लगभग 13.8% अमरीकी डॉलर (30% शुल्क के साथ) तक की वृद्धि की जाएगी। इससे सौदों से प्राप्तव्य लाभ पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा तथा भारतीय आयातकों के लिए कीमतें कम हो जाएँगी।
  - (ग) डेन साल्ट की कीमत में आगे सौदा करने के लिए कोई राजी नहीं होता है।
- (iv) उपर्युक्त पाटनरोधी शुल्क का विकल्प निम्नानुसार हो सकता है:
 

30 % के अतिरिक्त निर्धारित पाटनरोधी शुल्क लगाना (अर्थात 20 %)। इससे आयातक, कीमत में कमी हेतु बातचीत करने, भारतीय विनिर्माताओं का संरक्षण करने तथा ग्राहकों को लाभ प्रदान करने अथवा भारतीय क्षमता पर विचार करते हुए स्थानीय खरीद — अर्थात 80:20 के अधीन रहते हुए डेन साल्ट के आयात की अनुमति देने हेतु राजी हो जाएगा। इसका तात्पर्य यह होगा कि यदि 20 % की स्थानीय खरीद की जाती है तो 80 % का आयात करने की अनुमति दी जाएगी।

इससे घरेलू उद्योग के लिए संरक्षण, आयात से कीमत संबंधी लाभ प्राप्त करना सुनिश्चित होगा और ग्राहकों को लाभान्वित करते हुए कम कीमत पर एमॉक्सिसिलिन की बिक्री करने में मदद मिलेगी।

16. प्राधिकारी ने पैरा ..... में अन्य देशों के हितों का विश्लेषण किया है। जहाँ तक अलग रूप में पाटनरोधी शुल्क लगाने का संबंध है, प्राधिकारी ने पैरा ..... में किए गए उल्लेख के अनुसार पाटनरोधी शुल्क लगाया है।

च. पाटन मार्जिन से संबंधित मुद्दे

17. निर्यातक मै. कनेका सिंगापुर कार्पो., सिंगापुर के विचार :—

(1) कनेका शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए इस आरोप का प्रबलता से खंडन करता है कि निर्यातक के उत्तर अत्यधिक, अपर्याप्त, अनुचित और विराधी हैं। वस्तुतः कनेका द्वारा दायर किए गए उत्तर विस्तृत और पूर्ण थे। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी कनेका द्वारा उपलब्ध कराई गई समस्त सूचना स्वीकार की है।

(2) लिखित अनुरोध के पृष्ठ 4 के पैरा 1 और 2 में शिकायतकर्ता ने यह उल्लेख किया है कि कनेका जापान, सुमित इंटरनेशनल सिंगापुर, सुमिटोमो कॉर्पो इंडिया प्रा. लि., दिल्ली तथा सेमपार्क इंटरनेशनल प्रा. लि., नई दिल्ली, बिक्री व्यवस्था, वित्त पोषण/निधि उपलब्ध कराने, मध्यवर्ती सेवाएँ उपलब्ध कराने आदि के संबंध में एक दूसरे से प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः संबद्ध/हितबद्ध पार्टियाँ हैं। अतः सौदों में शामिल संबद्ध पार्टियों के उत्तर के अभाव में अनुरोधों को हर तरह से पूर्ण नहीं कहा जा सकता। इस संबंध में अनुरोध है कि नियमावली के नियम 2(ग) में "हितबद्ध पार्टी" को परिभाषित किया गया है जिसमें शामिल हैं :

(i) भारत में पाटित की जा रही जॉचाधीन वस्तुओं का कोई निर्यातक अथवा कोई विदेशी उत्पादक या आयातक अथवा वस्तु विनियम या ऐसी व्यापार एसोसिएशन, जिसके अधिकांश सदस्य ऐसी किसी वस्तु के उत्पादक, निर्यातक अथवा आयातक हैं;

(ii) निर्यातक देश की सरकार; और

(iii) भारत में समान वस्तु का कोई उत्पादक अथवा कोई व्यापारिक अथवा कारोबारी एसोसिएशन जिसके अधिकांश सदस्य भारत में समान वस्तु का उत्पादन करते हैं।

(3) हितबद्ध पार्टी की उपर्युक्त परिभाषा से यह स्पष्ट होता है कि किसी व्यक्ति को निर्यातक या विदेशी उत्पादक या आयातक होना चाहिए अथवा ऐसी व्यापारिक या कारोबारी एसोसिएशन होना चाहिए जिसके अधिकांश सदस्य उक्त वस्तु के निर्यातक अथवा उत्पादक अथवा आयातक हैं। कनेका जापान, सुमित इंटरनेशनल सिंगापुर, सुमिटोमो कार्पो इंडिया प्रा. लि., दिल्ली तथा सेमपार्क इंटरनेशनल प्रा. लि., नई दिल्ली न तो निर्यातक, उत्पादक, आयातक है और न ही व्यापारी अथवा कारोबारी एसोसिएशन है। ये कंपनी कनेका के बिक्री एजेंट के रूप में ही कार्य कर रही हैं और उन्हें उनकी सेवाओं के लिए कमीशन प्रदान किया जाता है। अतः वे हितबद्ध पार्टी की शर्तों को पूरा नहीं करती हैं और उनके लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई प्रश्नावली का कोई उत्तर देना अपेक्षित नहीं है।

(4) अपन अनुरोध मे शिकायतकर्ता ने यह राय व्यक्त को है कि पिछले दो वर्षों और जाँच अवधि के दौरान मे. के.एस.सी. के समग्र उत्पादन में गिरावट की प्रवृत्ति के साथ-साथ विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में भी गिरावट आई है। यह तथ्यतः गलत है और हम यह बताना चाहते हैं कि कैलेंडर वर्ष 2000 की तुलना में कैलेंडर वर्ष 2001 के दौरान पी.एच.पी.जी. डी.एस. के उत्पादन में वृद्धि हुई है। समग्र उत्पादन में कमी इस तथ्य के कारण आई है कि कनेका द्वारा विनिर्मित अन्य उत्पादों के उत्पादन में गिरावट आई है।

(5) शिकायतकर्ता ने अपने लिखित अनुरोध में यह भी बताया है कि बेची गई वस्तु की लागत में "परिवर्ती लागत और निर्धारित लागत" शामिल हैं और इसमें बिक्री लागत, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत, ब्याज व्यय तथा विनियम घाटा/लाभ जैसी ऊपरी लागत शामिल नहीं है। यह सही नहीं है क्योंकि उत्पादन लागत के ब्यौरों में सामान्य प्रशासनिक लागत, ब्याज लागत और विनिर्माण संबंधी अन्य ऊपरी खर्चों के लिए स्पष्ट प्रावधान होता है। इसके अलावा हम यह भी बताना चाहते हैं कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई प्रश्नावली के हमारे उत्तर में यह स्पष्ट किया गया है कि जिस कीमत पर पी.एच.पी.जी. डी.एस. का भारत को निर्यात किया गया था वह उस कीमत से अधिक थी जिस पर अन्य देशों को निर्यात किया गया था।

(6) शिकायतकर्ता ने अपने लिखित अनुरोध में यह उल्लेख किया है कि "केवल विनिर्माण सुविधा" हेतु मूल्य हास को ध्यान में रखा

गया है और सामान्य सुविधा हेतु मूल्य हास को ध्यान में नहीं रखा गया है। इस संबंध में हम यह अनुरोध करना चाहते हैं कि प्रशासन हेतु परिसंपत्तियों के मूल्य हास जैसी विनिर्माण सुविधा से भिन्न सुविधा से संबंधित मूल्य हास को बिक्री एवं प्रशासन व्यय में शामिल किया गया है। पी.एच.पी.जी. बेस की विनिर्माण सुविधा से संबंधित मूल्य हास को पी.एच.पी.जी. डी.एस. लागत शीट में उल्लिखित मूल्य हास संबंधी व्यय में शामिल किया गया है और इसलिए पी.एच.पी.जी. बेस की विनिर्माण सुविधाओं से संबंधित मूल्य हास को पी.एच.पी.जी. डी.एस. की लागत में जोड़ने की ज़रूरत नहीं है।

- (7) शिकायतकर्ता ने यह भी उल्लेख किया है कि तैयार माल हेतु भंडारण व्यय आदि को भी ध्यान में नहीं रखा गया है। अपने लिखित अनुरोध में हमने इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया है कि तैयार माल का भंडारण कनेका के स्वामित्व वाले भांडागार में किया जाता है और इसलिए तैयार माल के भंडारण पर कोई खर्च नहीं आता है।
- (8) जहाँ तक खपत योग्य वस्तुओं का संबंध है हम यह अनुराध करना चाहते हैं कि पी.एच.पी.जी. बेस के विनिर्माण से संबंधित खपत योग्य वस्तुओं को विनिर्माण संबंधी ऊपरी खर्च में शामिल किया गया है। अतः पी.एच.पी.जी. डी.एस. के विनिर्माण हेतु ध्यान में रखी गई खपत योग्य वस्तुओं की लागत में पी.एच.पी.जी. बेस के विनिर्माण में प्रयुक्त खपत योग्य वस्तुएँ शामिल नहीं हैं।
- (9) हम इस बात से इंकार करते हैं कि हमने अपनी गोपनीय तथा अगोपनीय सूचना में इस आशय का कोई उल्लेख नहीं किया है कि जब प्रत्येक बैच के चक्रण समय को कम करने के लिए उत्पादकता अधिक हो जाती है तो उत्पाद को शीघ्रता से ठंडा और गर्म करने के लिए अधिक उपयोगिता लागत का उपयोग करना आवश्यक हो सकता है और इस प्रकार उपयोगिता की खपत का स्तर खराब हो जाता है।
- (10) शिकायतकर्ता ने बताया है कि तुलन पत्र से यह देखा गया है कि मौजूदा परिसम्पत्तियों में कोई महत्वपूर्ण कमी नहीं आई है बल्कि

कम्पनी के संयंत्र एवं मशीनरी में काफी इजाफा हुआ है। उपर्युक्त कारणों को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला गया है कि कुल अवमूल्यन की राशि पिछले वर्ष के आंकड़ों से कम नहीं हो सकती है। यह इंगित करता है कि कम्पनी ने जॉच अवधि के दौरान उत्पादों पर पूरा मूल्य हास प्रभारित नहीं किया है। इस संदर्भ में यह प्रस्तुत किया जाता है कि वित्तीय विवरण की टिप्पणियों में लेखा परीक्षकों ने व्याख्या की है कि मूल्य हास कैसे प्रभारित किया जाता है। इसके अलावा, लेखा परीक्षकों ने कहीं भी यह संकेत नहीं दिया है कि मूल्य हास का दावा करने के तरीकों में कोई बदलाव आया है। वर्ष 2001 के लिए मूल्य हास में कमी का कारण यह है कि परिसम्पत्तियों की लागत को परिसम्पत्तियों की अनुमानित उपयोगी अवधि में बढ़ाव खाते डाला गया है। हाल के तुलन पत्र से यह स्पष्ट है कि निवल बुक मूल्य में गिरावट आई है और कुछेक परिसम्पत्तियों जो कि अभी भी उपयोग में हैं, का पूर्णतः मूल्य हास हुआ है तथा उनके लिए कोई मूल्य हास उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है।

(11) शिकायतकर्ता ने बताया है कि निर्यातक ने इंगित किया है कि हित के बदले में, कम्पनी लाभांश के अलावा कनेका जापान को लाभ का भुगतान भी कर रही है। तदनुसार, सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्राधिकारी जॉच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए इसी प्रकार निर्धारित उत्पादन लागत में उचित लाभ जोड़ने का प्रस्ताव करते हैं। इस संबंध में हम प्रस्तुत करना चाहते हैं कि कारखाना लागत में कनेका जापान के संबंध में दर्शाई गई लाभ की राशि तथा भारत को निर्यातों का लाभ कनेका जापान को कमीशन का भुगतान के रूप में पी.एच.पी.जी. डी.एस. की अंतिम कीमत में पहले ही शामिल है। परिशिष्ट की पाद टिप्पणियों में इसकी स्पष्ट रूप से व्याख्या की गई है। इसलिए, लाभ की राशि को सामान्य मूल्य में नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

(12) परिशिष्ट 7 ख के संबंध में, कनेका निर्दिष्ट प्राधिकारी को स्पष्टीकरण उपलब्ध करा द्युका है। हम यहाँ इसके साथ कार्य नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा, कनेका यह भी बताना चाहता है कि उन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी को पी.एच.पी.जी. डी.एस. की लागत का

व्यौरा उपलब्ध कराया है तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी ने हमारे निवेदन में कोई भी अनियमितताएं, असंगतियाँ तथा गलतियाँ नहीं पाई। प्रस्तुतः परिशिष्ट 7 तथा परिशिष्ट 8 में पी.एच.पी.जी. की कीमत में अंतर के अलावा, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कनेका द्वारा उपलब्ध कराए गए अन्य सभी ऑकड़ों को स्वीकार कर लिया है। दिनांक 29 नवम्बर, 2002 के अपने पत्र द्वारा कनेका ने अंतर के कारण को बताया तथा मौखिक सुनवाई के दौरान हमें सूचित किया गया था कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्वोक्त पत्र को प्राप्त कर लिया है तथा निहितार्थ की जाँच कर रहे थे।

(13) शिकायतकर्ता ने यह भी बताया है कि निर्यातक ने ब्याज पर उधार की अनुमति दी है यदि उधार की अवधि 180 दिनों तक या इससे अधिक बढ़ाई जाती है। तथापि, निर्यातक ने ब्याज मुक्त उधार अवधि की अनुमति दी है यदि उधार की अवधि 120 दिनों की हो। इस संबंध में हम प्रस्तुत करते हैं कि विदेश विनियम प्रबंधन अधिनियम, 1999 के तहत 180 दिनों की ब्याज मुक्त उधार अवधि अनुमत्य है तथा कनेका ने नियम के तहत अनुमत्य अधिकतम ब्याज मुक्त उधार अवधि उपलब्ध कराया है। इसके अलावा 120 दिनों से अधिक आयातक को उधार अवधि की अनुमति देना एक व्यापार निर्णय है जिसे निर्यातकों तथा आयातकों के बीच वार्ता के बाद लिया गया। तथा इसका उत्पाद के कीमत निर्धारण से कोई संबंध नहीं है।

#### 18. निर्यातक मै. जियाऊन केमिकल कं. लि. झाजियांग, चीन जन. गण.

(1) प्रश्नावली के जवाब में, हमारा भुवकिकल — इस कार्रवाई में चीन से एकमात्र सहयोगी पार्टी — ने औपचारिक रूप से व्यक्तिगत व्यवहार के लिए लिखित अनुरोध किया, खासकर, संबंधित कम्पनी ने प्रस्तुत किया कि इसे अपने उत्पादन, ग्राहकों का चयन करने, कीमतें तय करने, आदि के लिए इसके पास स्वतंत्र अधिकार तथा शक्तियाँ हैं। इस प्रयोजनार्थ, हमने बिज़नेस ऑफ लाइसेंस की एक वैध प्रति तथा आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन की एक प्रति, आदि की आपूर्ति की है। ऐसी सूचना से भारतीय प्राधिकारी को यह भूल्यांकन करने में कि क्या संबंधित कम्पनी राज्य के

नियंत्रण/दबाव से मुक्त अपने उत्पादन तथा वाणिज्यिक कार्यकलापों का परिचालन कर रही है, पर्याप्त सहायता मिलेगी।

- (2) पुनः निर्दिष्ट लिखित कार्यविधिक नियमों की अनुपस्थिति में, हमारा मुद्रविकल औपचारिक रूप से अपने आपके इस कार्रवाई में अन्य गैर-सहयोगी पक्षकारों से अलग करने का अनुरोध दुहराता रहा है जिसका तात्पर्य प्राधिकारी के साथ सद्भावना में किए गए इसके सहयोग को दंडित करना होगा। यह 'उपलब्ध साक्ष्यों' का प्रयोग करने से बिन्न नहीं है जिससे इसके प्रयास पूर्णतः व्यर्थ हो जाते हैं तथा चीन के व्यापार सम्प्रदाय के इस गलत संवाद को कि भारतीय पाटनरोधी जाँच से कोई भी कम्पनी नहीं बच सकती है, सूचित करता है।
- (3) इससे एक कानूनी प्रश्न उठता है कि क्या याचिकाकर्ता कानूनन एक प्रतिनिधि उद्योग है, बताया गया है कि बहुत सी भेषजीय कम्पनियों भी पी.एच.पी.जी. डेन साल्ट को रूपांतरित कर रही हैं, अन्य उत्पादक के पास भी ऐसी क्षमताएँ हैं परंतु वे वाणिज्यिक रूप से ऐसे रूपांतरण नहीं करते हैं। यदि हम अन्य परिचालकों को जो संबद्ध उत्पाद का संघटन नहीं कर रहे हैं, को छोड़ देते हैं, परंतु भेषजीय कम्पनियों द्वारा किए जा रहे रूपांतरण कार्यकलाप को पी.एच.पी.जी. डी.एस. हेतु समान उत्पाद के उत्पादकों के रूप में अवश्य विचार किया जाना चाहिए। अन्य शब्दों में, शिकायतकारी कार्यकलापों का विरोध न करने वाले 50% के प्रतिनिधि को पास कर दिया जाएगा तथा ऐसी 25% स्पष्ट रूप से समर्थित याचिका अवश्य प्राप्त कर ली जानी चाहिए।
- (4) हम भारतीय प्राधिकारी से दृढ़तापूर्वक कहते हैं कि चीन के आज के आर्थिक कार्यव्यालन में कंपनियों "पूर्ण और समग्र रूप से राज्य का एकाधिकार" के अधीन नहीं रही हैं। यह एकमात्र कारण है जिसके अलावे कनाडा ने कार विन्डो शील्ड्स मामले में एक पूरे उद्योग क्षेत्र को "बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा" प्रदान किया है; संयुक्त राज्य व्यवस्थित रूप से सभी चीनी सहयोगी कंपनियों को व्यक्तिगत व्यवहार प्रदान कर रहा है; और यूरापीय संघ ने, प्रक्रियागत नियमों के जरिए, कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया है।

(5) ऐसे प्रमुख कदमों से प्रत्येक कंपनी के सहयोग के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन की उनकी तत्परता तथा चीन की सहयोगी कंपनियों के विरुद्ध किसी अनुचित पक्षपात से बचने की उनकी मंशा का भी संकेत मिलता है, क्योंकि पिछले समय में प्रचलित कुछ नियमों का अब डब्ल्यूटीओ. द्वारा स्पष्ट रूप से समर्थन नहीं किया गया है।

(6) तथापि, हम यह पढ़कर अत्यंत आश्चर्यचकित हैं कि भारतीय प्राधिकारी ने हमारे ग्राहक के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ "उपलब्ध साक्ष्यों" का प्रयोग किया है। जैसा हम भली भाँति मानते हैं कि उपलब्ध साक्ष्य प्रक्रिया को केवल विशेष स्थिति में ही लागू किया जा सकता है; उदाहरणार्थ यदि कोई सहयोगी कंपनी उद्देश्यपूर्ण ढंग से जाँच में बाधा पहुंचाए या गलत जानकारी दे। डब्ल्यूटीओ के कुछेक मामलों में पैनल रिपोर्ट में दी गई संपूर्ण जानकारी की उपेक्षा के लिए कुछेक जाँचकर्ता प्राधिकारियों की आलोचना की है, यद्यपि अनुरोध के कुछ भागों के लिए अगोपनीय सारांश प्रस्तुत नहीं किए गए थे।

उन्होंने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के 8.3 के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के उत्तर के संबंध में प्राधिकारी द्वारा की गई पूछताछ के उत्तर में आगे और टिप्पणियाँ प्रस्तुत की हैं।

(7) संपूर्ण जाँच अवधि के दौरान, प्रतिवादी ने तीसरे पक्ष अर्थात् हेंगड़िआन ग्रुप इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं. लि. जो हेंगझाऊ, झेंजियांग, चीन में है, के जरिए भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। भारत को निर्यात कीमत के संबंध में जानकारी परिशिष्ट-3, परिशिष्ट-4, परिशिष्ट-8 में दी गई है जो जुलाई में उपलब्ध कराई गई थी वह दरअसल घरेलू बिक्री कीमत थी जिसपर प्रतिवादी ने हेंगड़ियन ग्रुप इंपोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं. लि. को संबद्ध वस्तु की बिक्री की थी।

(8) हेंगड़ियन ग्रुप इंपोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं. लि. ने अपने भारतीय उपभोक्ताओं को कीमत संबंधी उद्धरण दिए, संविदाओं में शामिल हुई तथा अपने नाम पर संबद्ध वस्तु का निर्यात किया। अपने भारतीय उपभोक्ताओं के साथ संविदा करने के पश्चात हेंगड़ियन ग्रुप इंपोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कंपनी ने प्रतिवादी समेत घरेलू

आपूर्तिकर्ताओं से संबद्ध वस्तु की खरीद की तथा बाजार संकेतकों के अनुसार खरीद कीमत पर बातचीत हुई तथा निर्धारित की गई।

(9) संबद्ध वस्तु के अतिरिक्त प्रतिवादी 8 अन्य प्रकार के उत्पाद का उत्पादन करते हैं। अतः इतने कम समय में प्रतिवादी अन्य उत्पादों के बारे में मात्रा एवं मूल्य सहित बड़ी मात्रा में ऑकडे प्रस्तुत नहीं कर सकते, अतः प्रतिवादी भारतीय प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित ऑकड़ों को तैयार करने के लिए एक अपेक्षाकृत पर्याप्त समय के लिए निवेदन करते हैं।

(10) प्रतिवादी एक सीमित दायित्व वाली कंपनी है जिसमें 2 शेयर धारकों द्वारा निवेश किया जाता है जो सभी स्वतंत्र विधि सम्मत व्यक्ति हैं। कीमत/मात्रा निर्धारण में कोई स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकारी अथवा राज्य शामिल नहीं है।

(11) भत्ते का निर्धारण पात्रता, योग्यता तथा कार्यभार के आधार पर होता है। प्रतिवादी के भत्ते की दर का निर्धारण भत्ते की औसत दर द्वारा होता है जिसके आधार पर प्रत्येक कर्मचारी के निष्पादन के अनुसार स्तर को बढ़ा कर समायोजित किया जा सकता है। वेतन का भुगतान प्रतिमाह झंगों के आधार पर होता है। जाँच अवधि में कुशल कारीगरों, अकुशल कारीगरों, प्रबंधकों की संख्या तथा प्रत्येक श्रेणी में भुगतान किए गए औसत भत्ते के बारे में सूचना के लिए कृपया 29 जनवरी 2003 को प्रस्तुत किए गए अनुबंध iii(vi) का अवलोकन करें।

(12) एक स्वतंत्र विधि सम्मत सत्ता होने के कारण सहकारिता बनाने के लिए व्यवसाय के विकास, अन्य इकाई अथवा आर्थिक संगठन के साथ विलय आदि का अधिकार चीन के कानून द्वारा पूरी तरह प्रदान तथा उसका संरक्षण किया जाता है। संयुक्त उद्यम बनाना अथवा विदेशी निवेश प्रस्तुत करना चीन में प्रतिवादी सहित निगम इकाइयों को प्राप्त अधिकारों में से एक है। इस संदर्भ में यह मुख्य रूप से दर्शाया जाए कि चीन में विधि सम्मत इकाइयाँ विदेशी कंपनियों के साथ किसी प्रकार की सहकारिता स्थापित कर सकती हैं। कानून कंपनियों को विदेशी कंपनियों के साथ इकिवटी संयुक्त उद्यम बनाने अथवा तकनीकों के स्थानांतरण आदि जैसी

सहकारिता की स्थापना से नहीं रोकता है। तथापि, यह कंपनी का निर्णय है कि संयुक्त उद्यम बनाना अथवा विदेशी पूँजी का उपयोग करना आवश्यक अथवा आर्थिक रूप से उचित है या नहीं। उदाहरणार्थ, प्रतिवादी आयातों एवं निर्यातों के लिए उत्पादों की एक विशेष श्रेणी का व्यवहार करते हैं, वैधानिक रूप से, यदि उसके सर्वोत्तम हितों एवं फायदों के लिए एक अवसर आता है तो नए उत्पाद अथवा नए बाजार पर पकड़ बनाने के लिए वे प्रभावकारी रूप से एक या अधिक विदेशी कंपनियों के साथ एक सहकारिता बनाएँगे।

- (13) प्रतिवादी कंपनी की स्थापना 1994 में हुई थी अतः इसकी उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति में विशेष रूप से परिसम्पत्तियों के मूल्य हास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा भुगतान आदि के संबंध में पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था तंत्र के कारण भारी विकृति नहीं हुई है।
- (14) चूँकि प्रतिवादी की स्थापना दिवालियापन एवं सम्पत्ति कानून सहित चीन के संगत कानूनों के अंतर्गत हुई थी और उसने विधिवत रूप से स्वतंत्र विधि सम्मत व्यक्ति का दर्जा प्राप्त कर लिया है अतः उसके निगमित कार्य कलापों का विनियमन एवं संरक्षण बिना किसी अनादर या छूट के सभी कानूनों द्वारा की जाए। अतः, प्रतिवादी के प्रचालन के लिए वैधानिक निश्चितता तथा स्थायित्व की दीवालियापन एवं सम्पत्ति कानूनों सहित चीन के सभी कानूनों द्वारा गारंटी दी जाती है।
- (15) प्रतिवादी इंगित करना चाहेंगे कि एक विधि सम्मत एकक चीन में अपने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रयोजनार्थ विभिन्न विदेशी मुद्राओं को परिवर्तित करने की दृष्टि से किसी प्रतिबंध के अधीन नहीं है। वरन् उत्तरातः, चीन में मुद्रा परिवर्तन का मामला उदारीकरण की एक सतत् प्रक्रिया से गुजर रहा है और परिणामस्वरूप इसने कंपनियों के अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक कार्यकलापों को विकसित करने के लिए लचीलेपन तथा योग्यता को सुकर बनाया है।
- (16) प्रतिवादी एतद द्वारा निवेदन करते हैं कि वे एक स्वतंत्र विधि सम्मत व्यक्ति हैं जो बाजार के संकेतकों के अनुसार अपने

वाणिज्यिक कार्यकलापों का प्रचालन करते हैं। इसके वाणिज्यिक कार्यकलापों का विकास सरकार के किसी नियंत्रण अथवा हस्तक्षेप के बिना मुक्त रूप से होता है। अतः वे भारतीय प्राधिकारी से उनके साथ बाजारोन्मुख तरीके से प्रचालन कर रही कंपनी के रूप में व्यवहार किए जाने तथा उसकी निर्यात बिक्रियों विशेषतः पाटन निर्धारण का अलग से मूल्यांकन किए जाने का निवेदन करते हैं।

### प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग का उत्तर

- 18क. "प्रकटन विवरण" (पैरा 2.25) का अध्ययन करने के बाद यह नोट किया जाता है कि निर्यातिक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना वार्षिक लेखे में उपलब्ध ऑकड़ों से पूर्णतः मेल नहीं खाती है जो मुख्यतः "प्रबंधन सूचना प्रणाली/ रिपोर्ट" के स्वरूप में अधिकौश ऑकड़े उपलब्ध कराए जाने के कारण घटित हुआ है।
- 18ख. उपर्युक्त पर विचार करते हुए हम यह महसूस करते हैं कि प्राधिकारी को उनकी लागत इत्यादि से संबंधित ऑकड़े सरसरी तौर पर अस्वीकृत कर देना चाहिए।

"प्रकटन विवरण" के पैरा 2.13 का अध्ययन करते समय हम यह समझने में असमर्थ हैं कि क्या कारखाना द्वारा पर निर्यात कीमत निकालने के लिए ब्याज के प्रभाव पर विचार किया गया है। हम महसूस करते हैं कि चूंकि निर्यातिक अपने ग्राहकों को ऋण प्रदान कर रहा है इसलिए ऋण की पेशकश करते समय उसका वित्तीय प्रभाव होता है और इसलिए उक्त प्रभाव को उत्पाद की कीमत के निर्धारण में हिसाब में लिया जाए।

### प्रकटन विवरण के बाद निर्यातिक मै. के.एस.सी. का उत्तर

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस आशय का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है कि उन्होंने मै. कनेका सिंगापुर कॉर्पो. द्वारा प्रस्तुत लागत संबंधी रिकॉर्डों से \*\*\*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. के सामान्य मूल्य की गणना किस प्रकार की है, जबकि जाँच अधिकारी के दौरान भारत को निर्यातिक वस्तु से पी.एच.पी.जी. डी.एस. की कारखाना द्वारा पर कीमत \*\*\*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. बनती है और जब भी किसी

अवधि के दौरान भारत से भिन्न देशों को नियातित वस्तु के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. बनती है। अलग-अलग देशों के लिए कारखाना द्वार पर कीमत का निर्धारण उक्त विशेष देश में किसी वस्तु विशेष की मौँग एवं आपूर्ति जैसे बाजारी तंत्र के आधार पर किया जाता है।

#### 19. प्राधिकारी द्वारा जाँच

धारा १९क(1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :—

- (i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियम के अनुसार यथानिर्दिष्ट तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातिक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो; या
- (ii) जहाँ निर्यातिक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातिक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो :—
- (क) निर्यातिक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु के उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि; या
- (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहाँ वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश से उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं

हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा।

### चीन जनवादी गणराज्य :

#### मै. हैंगड़िआन ग्रुप जिआयुआन केमिकल कं. लि., चीन

20. धारा 9 क (1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियाँ भेजी थीं। चीन जन. गण. से मै. हैंगड़िआन ग्रुप जिआयुआन केमिकल कं. लि., चीन जन. गण. नामक केवल एक ही निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर भेजा है। प्राधिकारी ने चीन जन. गण. से सहयोगी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर में कमियों को इंगित किया था और निर्यातक से निर्यातक प्रश्नावली के रूप एवं विधि में सूचना प्रस्तुत करने को कहा था। प्राधिकारी ने 15 जनवरी तथा 17 फरवरी 2002 को निर्यातक से प्रपत्र ग-1, ग-2, क एवं ख से संबंधित लागत सूचना तथा अनुबंध-1 के पैरा 8 के उपपैरा 3 में उल्लिखित तथा प्रारंभिक जाँच परिणामों के पृष्ठ 37 में उल्लिखित आवश्यक सूचना प्रस्तुत करने को कहा था ताकि प्राधिकारी को इस बात का पता चल सके कि क्या —

क. कीमतों, लागतों और कच्चे माल सहित निविष्टियों, टेक्नोलॉजी की लागत, श्रमिकों, उत्पादन, बिक्री और निवेश के बारे में संबंधित फर्म के निर्णय पूर्ति और मौंग दर्शाने वाले बाजार मूल्य के बारे में काफी सूचना मिलती है ;

ख. संपत्ति के मूल्यहास, बट्टे खाते में डाली गई अन्य मदों, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋण की क्षतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संबंध में इन फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति में विशेष रूप से पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के कारण भारी गिरावट आयी है ;

ग. इन फर्मों पर दिवाले और संपत्ति संबंधी ऐसे कानून लागू होते हैं जो फर्म को घलाने के लिए वैधानिक निश्चितता ओर स्थिरता की गारंटी देते हैं ; और

घ. विनिमय दर परिवर्तन मार्किट दर के आधार पर दिए जाते हैं।

प्राधिकारी पाते हैं कि उत्पादक/निर्यातकों ने संबद्ध उत्पाद के विनिर्माण के लिए कच्ची सामग्री तथा अन्य संबंधित निविष्टियों की खरीद के बारे में टिप्पणियों तथा आपूर्तिकर्ताओं के नाम एवं पते उनके संघटन के साथ प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने इस तथ्य पर भी टिप्पणी की है कि किस प्रकार उत्पादन के प्रयोजनार्थ श्रम को संगठित किया गया तथा कुशल एवं अकुशल श्रमिकों के पारिश्रमिक प्रस्तुत किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि एक स्वतंत्र विधिसम्मत एकक होने के कारण चीन के कानून द्वारा व्यापार विकास करने, सहकारी संस्था बनाने, अन्य एकक अथवा आर्थिक संगठन के साथ विलय करने आदि के अधिकार पूरी तरह प्रदत्त तथा संरक्षित हैं। कानून कंपनियों को विदेशी कंपनियों के साथ इकिवटी संयुक्त उद्यम बनाने या तकनीकों के स्थानांतरण जैसी सहकारिता की स्थापना से नहीं रोकता। उन्होंने यह भी कहा है कि संपत्ति के मूल्य हास, बट्टे खाते में डाली गई अन्य मदों, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋण की क्षतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संबंध में उनकी उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति में विशेष रूप से पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था के कारण भारी विकृति नहीं आई है। उन्होंने आगे कहा है कि उनके व्यापार कार्यकलाप सरकार के किसी नियंत्रण अथवा हस्तक्षेप के बिना पूरी तरह विकसित हैं। उन्होंने प्राधिकारी से इन प्रस्तुतीकरणों के आलोक में व्यक्तिगत व्यवहार का अनुरोध किया है।

21. प्राधिकारी ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए उसके अनुरोधों के बारे में निर्यातक के तर्क की जाँच की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि समर्थक फर्म ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के 8(3) के अंतर्गत यथाउलिलिखित परिकल्पना के खंडन के बारे में कोई समर्थक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। फर्म ने आपूर्तिकर्ताओं से बीजकों की कोई प्रति भी प्रस्तुत नहीं की है; न ही उन्होंने पूर्ववर्ती पैराग्राफ में की गई टिप्पणियों के समर्थन में कोई दस्तावेज़ दिया है।
22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जैसा ऊपर उल्लेख किया जा चुका है पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के नियम 2(i) और (ii) के साथ

पठित धारा ७क (i), ग (i) और (ii) के प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। अतः प्राधिकारी पैरा-१ से ६ में तथा सिद्धान्तों पर नहीं चल सकते ओर उपलब्ध तथ्यों के अनुसार चलने को बाध्य हैं।

23. इन परिस्थितियों में नियमानुसार, नियम ६(8) के अधीन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाता है। इसलिए चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निकालने के लिए उदगम के देश में उत्पादन की लागत जमा विक्रय प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय के बारे में तथ्यों के अनुसार उनमें सामान्य समायोजनों के बाद सामान्य लाभ जोड़ने का आधार लिया गया है। मै. हैंगडिआन ग्रुप जीआयुआन केमिकल कम्पनी लि. के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\*/अमरीकी डॉलर आता है।

#### निर्यात कीमत :

24. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के लिए कोई आबद्ध सीमाशुल्क वर्गीकरण नहीं है जैसाकि यह अन्य श्रेणी में वर्गीकृत है। चूंकि डी.जी.सी.आई. एण्ड एस. के ऑकड़े जॉच अवधि के दौरान किए गए सभी सौदों के बारे में नहीं बताते हैं इसलिए प्राधिकारी ने चीन जन. गण. से भारत को निर्यात की मात्रा की गणना हेतु गौण स्रोतों यथा आई.बी.आई.एस., मुम्बई द्वारा प्रस्तुत किए गए ऑकड़ों पर भरोसा किया है। प्रारंभिक जॉच परिणामों के बाद निर्यातक ने अनुरोध किया है कि वे संबद्ध वस्तु का निर्यात अपनी समूह कंपनी मै. हैंगडिआन ग्रुप इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं. लि. के जरिए कर रहे हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि हैंगडिआन ग्रुप इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं. लि. ने अपने भारतीय ग्राहकों को अपनी निर्यात कीमतें उद्धृत की, संविदाएँ की और अपने नाम से संबद्ध वस्तु का निर्यात किया, उन्होंने व्यापार बीमा, कमीशन इत्यादि के रूप में एफ.ओ.बी. से पहले और इसके पश्चात विभिन्न समायोजनों के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी ने अनुबंध ३ में यथाउलिलिखित भारत को निर्यात द्वारा किए गए समायोजनों के अनुसार कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत, निर्धारित करने का प्रस्ताव किया है। इस प्रकार सहयोगी निर्यातक

के लिए कारखानागत निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. बेदती है।

#### पाटन मार्जिन :

25. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम तथा पाटनरोधी नियमों के अनुसार सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य भार पाटन मार्जिन को विनियमित करने वाले सिद्धान्त नियम के अनुबंध-I में दिए गए हैं। चीन जनवादी गणराज्य के लिए उत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य \*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. है। समान मानदंडों और अनुमत समायोजनों के आधार पर तय किया गया कारखाना हास पर निर्यात मूल्य \*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. है। प्राधिकारी द्वारा चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों के लिए निर्धारित किए जाने के लिए प्रस्तावित पाटन मार्जिन \*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. अथवा निर्यात मूल्य का 72% है।

#### चीन जनवादी गणराज्य से अन्य निर्यातक

26. प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य के झात निर्यातकों को जॉच से संबंधित सूचना और उन पर टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, ऊपर उल्लिखित धारा के अनुसार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत में चीन जनवादी गणराज्य के उच्चायोग को भी लिखा। तथापि चीन जनवादी गणराज्य के किसी अन्य निर्यातक ने प्राधिकारी के सूचना संबंधी अनुरोध का जबाब नहीं दिया है। याचिकाकर्ता द्वारा सामान्य मूल्य निर्धारण के संबंध में किए गए दावे पर किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार(रों) द्वारा कोई विवाद नहीं किया गया। प्राधिकारी, इसलिए उपर्युक्त नियम 6(8) अर्थात् उपलब्ध अत्युत्तम सूचना के आधार पर आगे की कार्रवाई करनी प्रारम्भ कर दी है। इन परिस्थितियों में नियमानुसार, नियम 6(8) के अधीन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाता है। इसलिए चीन पीआर में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निकालने के लिए उद्गम के देश में उत्पादन की लागत जमा विक्रय, प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय के बारे में तथ्यों के अनुसार

उनमें सामान्य समायोजनों के बाद, सामान्य लाभ जोड़ने का आधार लिया गया है।

27. चीन जनवादी गणराज्य के अन्य निर्यातकों हेतु प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य \*\*\* अमरीकी डॉलर निकाला है। चीन जनवादी गणराज्य के अन्य निर्यातकों हेतु निर्यात मूल्य की गणना करते समय भारत को किये गये निर्यातों की औसत कीमत को भी ध्यान में रखा गया है। अन्य निर्यातकों के लिए कारखानागत स्तर पर निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. बैठती है। इस प्रकार, चीन जनवादी गणराज्य के पी.एच.पी.जी.डी.एस. के असहयोगी/अन्य निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन प्राधिकारी द्वारा \*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. अथवा निर्यात कीमत का 72% औँका गया है।

मै. कनेका सिंगापुर कॉर्पोरेशन (प्रा.) लिमिटेड (के.एस.सी.) सिंगापुर :

(क) सामान्य मूल्य

28. निर्यातक ने निर्यातकों की प्रश्नावली के परिशिष्ट I में यह दावा किया है कि उनकी कोई घरेलू बिक्रियाँ नहीं हैं। प्राधिकारी सामान्य मूल्य निर्धारण के संबंध में नोट करते हैं कि घरेलू बिक्रियों की अनुपस्थिति में निर्यातक देश से अथवा किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात की गई समान वस्तु के तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य को लेते हुए अथवा मूल देश में कथित वस्तु के उत्पादन मूल्य का उपधारा (6) के तहत नियम के अनुसार यथा निर्धारित उचित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य मूल्य और लाभों को जोड़ते हुए सामान्य मूल्य निर्धारण किया जा सकता है। इस मामले में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यातक मैसर्स कनेका सिंगापुर कॉर्पोरेशन जिसे इसके बाद के एससी कहा गया है, ने जाँच अवधि के दौरान भारत के साथ-साथ विभिन्न देशों में निर्यात किया है। मै. के.एस.सी. के निर्यातों की जाँच करते समय प्राधिकारी ने यह नोट किया कि उन्होंने भारत को तो जुलाई-दिसम्बर 2001 के बीच ही निर्यात किया है किन्तु उन्होंने अन्य देशों को पूरी जाँच अवधि अर्थात् जुलाई से मार्च 2002 तक निर्यात किया है।

29. कंपनी ने भारत को निर्यात की कारखाना लागत और लाभ का उल्लेख परिशिष्ट 8 में' किया है जिसमें उन्होंने कारखाना द्वारा पर यूनिट बिक्री कीमत भी बतायी है। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना वास्तविक लेखाओं में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से पूरी तरह मेल नहीं खाते हैं। उपलब्ध कराई कई सूचना ज्यादातर प्रबन्धन सूचना पद्धति / रिपोर्ट की प्रकृति की है, प्राधिकारी ने वार्षिक लेखाओं के संबंध में निर्यातक द्वारा रखे गए रिकार्ड को देखा है और सम्बद्ध वस्तु की बिक्री की लागतें वार्षिक/सामयिक लेखा से निकाली हैं। कंपनी ने अपने लिए \*\*\*\* % लाभ और मूल कंपनी के लिए \*\*\* % लाभ लिया है। परिकलित सामान्य मूल्य पर पहुँचने के लिए इन लाभों को बिक्री की लागत में जोड़ा गया है। उत्पादन लागत के आधार पर प्राधिकारी ने परिशिष्ट 7 में निर्यातक द्वारा यथाप्रस्तुत आंकड़ों को ध्यान में रखा है। पाटनरोधी नियमावली की धारा 9(क)(i)(ग)(ii)(ख) के अनुसार उत्पादन लागत के आधार पर कारखाना द्वारा पर सामान्य मूल्य \*\*\*अमरीकी डालर/<sup>₹.0.50</sup> निकाला गया है।

(ख) निर्यात कीमत

30. निर्यातक ने भारत के \*\*\*अमरीकी डालर के कुल मूल्य के \*\*\*किंग्रा. पी.एच.पी.जी. डी.एस. का निर्यात किया है। उन्होंने भारत को किए गए निर्यात बिक्रियों का सौदे-वार विवरण दिया है और प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ये बिक्रियाँ तदनुसार जाँच की अवधि के दौरान पी.एच.पी.जी. डी.एस. की औसत निर्यात कीमत अमरीकी डालर प्रति किंग्रा बनती है। निर्यातक ने भारत के लिए कारखाना द्वारा निर्यात कीमत पर पहुँचने के लिए छूट स्वदेशी भाड़े, बीमा, विदेशी भाड़े, विदेशी बीमा इत्यादि के कारण समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स कनेक्ट सिंगापुर कार्पोरेशन द्वारा अधिकतम निर्यात मैसर्स कनेक्ट कार्पोरेशन (केर्सी) जापान के माध्यम से किए हैं और उन्हें पुनः भारत को मैसर्स सुमित कैमिकल्स एशिया प्रा. लिमिटेड (एस.सी.ए.पी.) द्वारा आपूरित किए गए हैं। ऐसा भी नोट किया गया है कि निर्यातक ने उनकी मूल कम्पनी केर्सी जापान और एस.सी.ए.पी., सिंगापुर को उनके आदेशों को के.सी. के माध्यम से पहुँचाने के लिए कमीशन दी है। भारत में निर्यात मूल्य निर्धारण करते समय

प्राधिकारी ने मैसर्स कनेका कॉर्पोरेशन, जापान और ए.पी.सी. फारमास्यूटिकल्स एण्ड कैमिकल्स लिमिटेड, हांग कांग के माध्यम से मैसर्स कनेका, सिंगापुर कार्पोरेशन द्वारा किए गए पहले सौदे को ही खाते में लिया है जो निर्यातक प्रश्नावली के परिशिष्ट-IV में निर्यातक द्वारा सुझाए गए स्वदेशी भाड़े, बीमा हैंडलिंग प्रभारों, समुद्रपर्यन्त भाड़े बीमा और शिपिंग प्रभारों के समायोजनों सहित एफ ओ बी मूल्य पर निर्यात किया गया। ऐसा निर्यातकों की उनके मूल कंपनी एवं अन्य मध्यस्थ फर्मों जैसे एस.सी.ए.पी. और ए.पी.सी. के माध्यम से की बिक्रियों में दी गई किसी कमीशन को निष्प्रभावित करने के लिए और प्राधिकारी द्वारा इनकी पुनः जाँच और सत्यापन किए जाने की शर्तों के अधीन किया गया। सभी समायोजनों को ध्यान में रखते हुए भारत में निर्यात बिक्रियों के कारखाना द्वार मूल्य \*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा बैठता है। इसलिए प्राधिकारी प्रारंभिक निर्धारण में यथानिर्धारित कारखानागत कीमतों की पुष्टि करते हैं। इस प्रकार, प्राधिकारी सिंगापुर को पी.एच.पी.जी. डी.एस. के सहयोगी निर्यातक के मामले में पाटन मार्जिन \*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा अथवा निर्यात कीमत का 8.07% निर्धारित करते हैं।

### सिंगापुर के अन्य निर्यातक

31. प्राधिकारी ने सिंगापुर के ज्ञात निर्यातकों के जाँच से संबंधित सूचना और उन पर टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, ऊपर उल्लिखित धारा के अनुसार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत में सिंगापुर उच्चायोग को भी लिखा। तथापि सिंगापुर के किसी निर्यातक ने सूचना संबंधी प्राधिकारी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। याचिकाकर्ता द्वारा सामान्य मूल्य निर्धारण के विषय में किए गए दावों का किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार(रों) द्वारा कोई विरोध नहीं किया गया। परिस्थितियों के अन्तर्गत नियम 6(8) यथा सर्वोन्नम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारण कर लिया है। प्राधिकारी ने सिंगापुर के अन्य निर्यातकों के संबंध में वैसे ही सामान्य मूल्य निर्धारण किया है जैसेकि सिंगापुर के एकमात्र निर्यातक मैसर्स के एस.सी. सिंगापुर के लिए किया है। प्राधिकारी ने उसी निर्यातक द्वारा भारत में निर्यात के लिए जाँच अवधि के दौरान भारित औसत निर्यात मूल्य को ही माना है। अन्य

निर्यातकों के मामले में प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य \*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. और निर्यात मूल्य का \*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. निर्धारित किया है।

32. अतः प्राधिकारी सिंगापुर के पीएचपीजी डीएस के असहयोगी/अन्य निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन \*\*\* अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. अथवा निर्यात मूल्य का 8.07% निर्धारित करते हैं।

#### छ. क्षति

33. उपलब्ध नियम 11. अनुबंध-II के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में \*\*\* पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जाँच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमत में कोई अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आयी है अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रुकावट आयी है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

#### क्षति का संचयी मूल्यांकन

34. नियमावली के अनुबंध-II के नियम (II) के अनुसार यह अपेक्षित है कि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों के मामले में जब पाटनरोधी जाँच एक साथ की जा रही है तो प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों का संचयी रूप से ऑकलन करेगा। तथापि इस प्रकार का प्राकलन तभी किया जा सकता है जब यह निर्धारित हो जाए कि प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयात का 3 प्रतिशत है अथवा जहाँ प्रत्येक देश का निर्यात 3 प्रतिशत से कम है वहाँ संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयातों का 7 प्रतिशत से अधिक बनता है, और आयातों के प्रभाव का संचयी ऑकलन, आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्द्धा की स्थितियों की वृद्धि से उचित है।

35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन तथा संबद्ध देश से हुए आयातों का मात्रा ऊपर निर्धारित सीमाओं से अधिक है चीन जनवादी गणराज्य और सिंगापुर के आयातों के प्रभाव का संचयी ऑकलन उचित है क्योंकि इन देशों की निर्यात कीमत भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा दी गयी कीमतों से प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्द्धा कर रही हैं और वहाँ घरेलू उत्पादकों को विस्थापित कर रही हैं।

36. भारत में उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जाँच करने के लिए उक्त नियमावली के अनुबंध-II (IV) के अनुसरण में ऐसे संकेतकों पर विचार किया गया है जो उद्योग स्थिति पर प्रभाव डालते हैं जैसे उत्पादन क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि।

37. याचिकाकर्ता के विचार

1. घरेलू मांग के पर्याप्त मात्रा से संबद्ध देशों से आयातों और प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है।
2. याचिकाकर्ता एक नया प्रवेशकर्ता है लेकिन संबद्ध देशों के निर्यातक भारत में संबद्ध वस्तु का पाटन कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि घरेलू उद्योग कोई बाजार हिस्सा नहीं प्राप्त कर सके तथा यह आरंभिक स्थिति में ही समाप्त हो जाए।

संबद्ध देशों से भारत में पी.एच.पी.जी. डी.एस. के आयात (कुल आयातों का %)

देश	सिंगापुर	चीन
अवधि	कुल आयातों का %	कुल आयातों का %
1999-00	22.35	00.00
2000-01	75.67	10.25
2001-02	66.31	19.88
जाँच अवधि	54.66	30.38

अवधि	देश	मात्रा (किग्रा)	मूल्य	आयात का %
1999-00	ई.यू.	66000	800307	77.65
2000-01	-वही-	8000	97466	14.08
2001-02	-वही-	17750	206066.56	13.81

गैर-आरोपित स्रोतों से पी.एच.पी.जी. डी.एस. का आयात

3. जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बाजार में माँग होने के बावजूद कमता उपयोगिता कम रही है।
4. जाँच अवधि के दौरान कुल बिक्री वसूली में वास्तविक गिरावट आई है।
5. निर्यात मूल्य में तेजी से आई कमी के कारण आयातक याचिकाकर्ताओं को अपना मूल्य आयातित मूल्य बराबर रखने के लिए बाध्य कर रहे हैं। तथापि, घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु को इतनी कम कीमत पर उपलब्ध कराने की स्थिति में नहीं है जिससे उपात्तक कीमत भी वसूल नहीं हो सकती है जिसके परिणामस्वरूप ग्राहकों को खो दिया है।
6. चूंकि उद्योग अभी आरंभिक स्थिति में है और अनुचित व्यापार से इसकी सुरक्षा महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है अन्यथा इसमें कार्यरत श्रमिक अपना काम खो देंगे।
7. घरेलू उद्योग प्रारंभ से नुकसान पर चल रहा है।
8. मौजूदा याचिका घरेलू उद्योग के संस्थापना में आ रही वास्तविक बाधा के विपक्ष में है।

**37क. प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग के विचार**

हमने 20 जनवरी 2003 के अपने पत्र के तहत इस बात के साक्ष्य हेतु "गोपनीय आधार" पर कुछ दस्तावेज़ प्रस्तुत किए थे कि के.एस.सी. द्वारा संविदा संबंधी औपचारिकताएँ पूरी की गई हैं और 14.4 मी. टन पी.एच.पी.जी. डी.एस. की आपूर्ति हेतु बहुत कम कीमत पर भुगतानों की पुष्टि की गई है हाँलांकि उक्त सामग्री जाँच अवधि के तुरंत बाद भारत में पहुँच गई थी। अतः हम पुनः यह अनुरोध करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त सौदे पर विचार किया जाना चाहिए।

हम यह अनुरोध करना चाहेंगे कि सिंगापुर के मामले में शेष निर्यातिकों के लिए पाटनरोधी शुल्क "एन.आई.पी." के स्तर पर होना चाहिए।

**37ख. मैसर्स के.एस.सी. के विचार**

1. प्राधिकारी पी.एच.पी.जी. डी.एस. की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के रुझान के संदर्भ में उक्त कीमतों में गिरावट की जाँच करने में विफल रहे हैं और उन्होंने शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोप को ही

2. शिकायतकर्ता द्वारा यह सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है कि सिंगापुर पी.एच.पी.जी. डी.एस. के आयातों के कारण संविदा गंवाई गई है। इसके अलावा शिकायतकर्ता के लिए उत्पादन के पहले कुछ महीनों में बाजार हिस्सा प्राप्त करना भी संभव नहीं है।

3. शिकायतकर्ता द्वारा उठाए जा रहे घटे के लिए पूंजी जुटाने में असमर्थता का पाटन से कोई लेना देना नहीं है। निर्यातक ने आगे यह बताया है कि शिकायतकर्ता की उत्पादन लागत अधिक है क्योंकि शिकायतकर्ता ने जांच अवधि से दो माह पूर्व प्रचालन शुरू किया है। निर्यातक ने यह भी बताया है कि प्राधिकारी ने इस आशय का कोई साक्ष्य अथवा कारण नहीं दिया है कि शिकायतकर्ता को कनेका, सिंगापुर से पी.एस.पी.जी. डी.एस. के आयात से किस प्रकार घाटा हुआ है। उन्होंने आगे यह अनुरोध किया है कि ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है जिससे यह सिद्ध किया जा सके कि शिकायतकर्ता को के.एस.सी. से आयातों के कारण कोई वास्तविक क्षति हुई है।

### प्राधिकारी द्वारा जाँच

#### (क) आयातों की मात्रा और निर्यात कीमत

38.(i) संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा के संबंध में सूचना सीमाशुल्क दैनिक सूचियों से संकलित आंकड़ों पर आधारित है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा में 2000-01 की तुलना में 364% की वृद्धि हुई है। जैसे कि जांच अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य में आयातों में पर्याप्त वृद्धि भी हुई है। इसके अलावा जांच अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से औसत निर्यात कीमत में भी वर्ष 2000-01 की तुलना में गिरावट आई है। जैसाकि जांच अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से निर्यात मूल्य में खासी गिरावट आई है जैसाकि निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है। यद्यपि सिंगापुर से होने वाले निर्यात में जांच अवधि में 2000-01 की तुलना में मात्रा संबंधी वृद्धि प्रवाह न प्रदर्शित होता है। गत वर्ष में जांच अवधि के दौरान औसत निर्यात मूल्य में महत्वपूर्ण गिरावट आई है और जांच अवधि के दौरान भी ऐसा हुआ जैसा कि नीचे सारणी में दर्शाया गया है:-

	देश	मात्रा	कुल आयातों में संबद्ध देशों का हिस्सा
98-99	सिंगापुर	****	62 %
	चीन	****	
99-00	सिंगापुर	****	78 %
	चीन	****	
00-01	सिंगापुर	****	96 %
	चीन	****	
जाँच अवधि	सिंगापुर	****	95.7 %
	चीन	****	

स्रोत: सभी अवधियों के लिए चीन जन.गण. से आयातों के लिए गौण औतों से कारोबार-वार ऑकड़े और 98-99 के लिए सिंगापुर से आयातों और इसके बाद की अवधि के लिए निर्यातक के गोपनीय ऑकड़े

(ii) गत वर्ष की तुलना में संबद्ध देशों से निर्यात मूल्य में गिरावट

देश	चीन जनवादी गणराज्य	सिंगापुर
अवधि		
99-00	-	100
00-01	100	93.78
जाँच अवधि	83	86.92

सिंगापुर के लिए 99-00 को आधार वर्ष और चीन जनवादी गणराज्य के लिए 00-01 को आधार वर्ष मानते हुए तालिका ऑकड़े

(iii) संबद्ध देशों से जाँच अवधि के दौरान निर्यात मूल्य में गिरावट

देश	चीन जनवादी गणराज्य	सिंगापुर
जाँच अवधि (जुलाई-मार्च 2002)		
जुलाई	100	100
अगस्त	-	-

सितम्बर	82.35	85
अक्टूबर	-	79
नवम्बर	-	85
दिसम्बर	-	85
जनवरी	-	-
फरवरी	66.38	-
मार्च		-

संकलित आंकड़ों में जुलाई 2001 को 100 माना गया है।

(ख) भारतीय उत्पादकों और संबद्ध देशों के आयातकों के बाजार हिस्से में परिवर्तन

प्राधिकारी यह पाते हैं कि मे. डी.ओ.एल. भारत में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण में नया प्रवेशकर्ता है और संबद्ध देशों के निर्यातकों ने भारत में संबद्ध वस्तु का पाठन बढ़ा दिया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग संयंत्र लगाने और पर्याप्त क्षमता में उत्पादन करने के बावजूद कोई भी बाजार हिस्सा प्राप्त करने में सफल नहीं रहा है।

(ग) याचिकाकर्ता का उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

प्राधिकारी ने पाया कि याचिकाकर्ता ने जाँच अवधि के दौरान सभी प्रकार के डेन साल्ट के लिए अपनी वर्तमान स्थापित क्षमता का \*\*\*\*\* % का उपयोग किया है। तथापि संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए क्षमता उपयोग स्थापित क्षमता का केवल \*\*\*\* % है। संबद्ध वस्तुओं की कम क्षमता उपयोगिता प्रीमियम मद पी.एच.पी.जी.डी.एस. के लिए किसी क्रयादेश का न होना और परिणामस्वरूप फर्म को प्लान्ट में कुछ संशोधन करते हुए अन्य प्रकार के डेन साल्ट बनाने के लिए अप्रयुक्त क्षमता का उपयोग करना पड़ा। देश में पी.एच.पी.जी.डी.एस. की माँग को ध्यान में रखते हुए संबद्ध वस्तुओं के लिए प्लान्ट की क्षमता उपयोगिता घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त की गई क्षमता उपयोगिता से कहीं ज्यादा ही कम है।

(घ) बाजार हिस्से की नगण्य वृद्धि

प्राधिकारी ने पाया कि घरेलू उद्योग आरंभिक स्थिति में है, अतः पिछला रुक्षान उपलब्ध नहीं है लेकिन संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण देश में संबद्ध वस्तु की मांग अधिक होने के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी बिक्री मात्रा को बढ़ाने में असमर्थ है।

(ङ) गवांई गई संविदाओं का साक्ष्य

यह दावा किया गया है कि निर्यातिक द्वारा निर्यात कीमत में तीव्र गिरावट के कारण आयातक घरेलू उद्योग को निर्यात कीमत अनुकूल बनाने के लिए बाध्य कर रहे हैं और ऐसी कीमत पर घरेलू उद्योग अपनी न्यूनतम लागत भी वसूल नहीं कर सकता है। यह भी दावा किया गया है कि घरेलू उद्योग संविदाएँ/ग्राहक खोने के परिणामस्वरूप इतनी कम कीमत पर माल की बिक्री करने में असफल रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को निर्यात कीमत समान करने को बाध्य होना पड़ा है जिसके परिणामस्वरूप उसे हानि हुई है, गवांई गई संविदाओं के कारण क्षति का पता नहीं लगाया जा सकता है।

(च) बिक्री कीमत में कमी, कीमत न्यूनीकरण

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मासिक बिक्री प्राप्ति का निम्नानुसार विश्लेषण किया है :

अवधि	मात्रा बिक्री/किग्रा	निवल बिक्री प्राप्ति (रु./किग्रा)
जुलाई-2001	****	100
अगस्त-2001	****	-
सितम्बर-2001	****	-
अक्टूबर-2001	****	-
नवम्बर-2001	****	89
दिसम्बर-2001	****	89

जनवरी-2002	****	89
फरवरी-2002	****	87
मार्च-2002	****	85

संकलित ऑकड़ों में जुलाई-2001 को 100 माना गया है।

उपर्युक्त सारणी से यह पता चलता है कि जाँच अवधि के दौरान मासिक औसत बिक्री प्राप्ति जुलाई 2001 के दौरान \*\*\*\* रु./किग्रा से घटकर \*\*\*\* रु./किग्रा रह गई है जिससे जाँच अवधि के भीतर ही गिरावट प्रदर्शित होती है। यह मुख्यतः घरेलू उद्योग द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने के बाद निर्यातकों द्वारा औसत आयात कीमत में की गई कमी के कारण हुआ है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को कीमत क्षति बिक्री कीमत में गिरावट के कारण हुई है।

#### (छ) रोजगार

प्राधिकारी ऐसा नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के रोजगार ढांचे में कोई परिवर्तन नहीं आया है, जबकि यह दावा किया गया है कि अनुचित व्यापार पद्धतियों से संरक्षण के बिना कार्यरत कर्मचारियों को अपना रोजगार गवाना पड़ेगा। प्राधिकारी इस मापदंड के कारण क्षति की निर्णायिक पुष्टि नहीं कर सकते हैं।

#### (ज) नकदी प्रवाह एवं कार्यशील पूँजी

निर्यातकों द्वारा यह दावा किया गया है कि संबद्ध देशों के निर्यातों से न केवल कीमतों में तेजी से गिरावट आई है बल्कि इनसे 180 दिन तक अथवा उससे ज्यादा की अधिक ऋण अवधि की पेशकश भी की जा रही है। भारत में निर्यातक/प्रयोक्ता भी घरेलू उद्योग से समान ऋण अवधि की माँग कर रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप बहुमूल्य कार्यशील पूँजी फंस गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग प्रतिकूल नकदी प्रवाह का सामना कर रहा है।

(झ) पूँजी निवेश को जुटाने की क्षमता

भारत में संबद्ध वस्तु की माँग घरेलू उद्योग की मौजूदा क्षमता से अधिक है और कंपनी की योजना घरेलू माँग तथा निर्यात माँग को पूरा करने की दृष्टि से अपनी क्षमता को बढ़ाने की है। यह दावा किया जाता है कि संबद्ध देशों से पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के लिए उक्त लक्ष्य को प्राप्त करना और यहाँ तक कि बाजार से पूँजी जुटाना भी संदेहास्पद है यदि संबद्ध देशों से पाठित आयातों को कम करने के लिए उपचारात्मक कार्यवाई नहीं की जाती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान परिदृश्य में फर्म की पूँजी जुटाने की क्षमता सीमित है।

(ञ) स्टॉक एवं निवेश पर आय में वृद्धि

प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूँकि पूर्व रुझान विद्यमान नहीं है इसलिए स्टॉक में वृद्धि और कमी की तुलना नहीं की जा सकती। अतः प्राधिकारी भंडार की स्थिति के कारण हुई किसी क्षति की पुष्टि नहीं कर सकते। तथापि यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेश पर प्राप्त आय नकारात्मक है।

(ट) लाभप्रदता

यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु की बिक्री निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत कीमतों के बराबर कीमतों पर कर सकता है जिससे उसे भारी घाटा हो सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन की शुरुआत से ही घरेलू उद्योग घाटा उठा रहा है।

कीमत में अत्यधिक कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत मंदी, कीमत हास

39. कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जॉच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाठित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस

प्रकार के आयातों से अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है। भारत में घरेलू उद्योग पर प्रभाव की जाँच करने के लिए प्राधिकारी ने उत्पादन, बिक्री, अन्य संकेतों पर भी विचार किया जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हों। साक्ष्यों की जाँच करने पर ऐसा पाया गया कि घरेलू उद्योग के प्रारम्भ होने के तत्काल बाद ही मूल्यों में तेजी से गिरावट होनी शुरू हो गई और जाँच अवधि के दौरान तक जारी रही। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग को उनकी मौजूदा क्षमता का प्रयोग करने के लिए रोका गया और जाँच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग बहुत कम हो गया। तथापि क्षति एवं क्षति के खतरे होने के लिए साक्षी महत्वपूर्ण मानदण्ड मूल्यों में कटौती और कम मूल्य पर बिक्री हैं। प्राधिकारी के पास उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार ऐसा पाया गया कि फर्म जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के मूल्य को उस स्तर तक नहीं बढ़ा सकती जहाँ तक उस अवधि में लगाई गई पूंजी पर उचित वसूली के साथ उत्पादन लागत की प्रतिपूर्ति हो सके। प्राधिकारी आयातित संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्य की घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के मूल्य के साथ तुलना करते हैं और यह नोट करते हैं कि पहुँच आयात घरेलू बाजार में विक्रय मूल्य में न्यूनकारी/हासकारी प्रभाव डाल रहे हैं।

प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस दावे की भी जाँच की है कि घरेलू उद्योग हो रहे घाटों के कारण नुकसान उठा रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री, क्षति के अँकलन के लिए एक महत्वपूर्ण संकेतक है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद की क्षतिरहित कीमत निर्धारित की है तथा बिक्री कीमत में कमी की मात्रा के निर्धारण के लिए उसकी तुलना पहुँच मूल्य से की है। उक्त विश्लेषण से कम कीमत पर बिक्री के अत्याधिक प्रभाव का पता चलता है जिससे घरेलू उद्योग की क्षति हुई है। आयातों का घरेलू बाजार में कीमतों पर अत्याधिक हासकारी/न्यूनकारी प्रभाव पड़ा है क्योंकि घरेलू उद्योग पाटित आयातों के मद्देनजर अपनी बिक्री को बढ़ाने में समर्थ नहीं रहा है।

कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री

जाँच अवधि के दौरान कीमत कटौती			
देश	याचिकाकर्ता की निवल बिक्री कीमत	संबद्ध देश से पहुँच कीमत	कीमत कटौती
मै. के.एस.सी., सिंगापुर	****	****	****
मै. हेंगडियान, चीन जन. गण.	****	****	****

क्षति का खतरा

40. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के विवाद की जाँच की है कि यह वास्तविक क्षति के अतिरिक्त वास्तविक क्षति के खतरे का सामना कर रहा है। प्राधिकारी यह पाते हैं कि पाटन समझौते के 3.7 के अनुसार वास्तविक क्षति के खतरे का निर्धारण केवल आरोप, अनुमान अथवा क्षीण संभावना पर आधारित न होकर तथ्यों पर आधारित होना चाहिए। परिस्थितियों में परिवर्तन जो ऐसी स्थिति उत्पन्न करे जिसमें पाटन क्षति का कारण बने, स्पष्ट रूप से अनुमान लगा लेना चाहिए। वास्तविक क्षति के खतरे की विद्यमानता को निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने पाटनरोधी समझौते के 3.7 (i) - (iv) एवं सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अन्तर्गत पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में बनाए गए कारकों का विश्लेषण किया है।

(क) गतवर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान चीन जन. गण. से घरेलू बाजार में पाटित आयातों की दर में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। जाँच अवधि के दौरान भी चीन जन. गण. से निर्यात में पर्याप्ति वृद्धि हुई।

(ख) संबद्ध वस्तुओं की उपलब्धता के संबंध में निर्यातिक की अप्रयुक्त क्षमता पर्याप्त रही है। मैसर्स के एस.सी. सिंगापुर के जवाब से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उनके स्टॉक की मात्रा जो जनवरी-जुलाई 2001 तक \*\*\* मी.टन थी (जुलाई-दिसम्बर, 2001) के दौरान \*\*\* मी.टन तक बढ़ गई थी। इसके साथ जनवरी से मार्च की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का अन्तिम स्टॉक \*\*\* मी.टन था जो कि सिंगापुर से भारत को कुल निर्यातों से तीन गुणा से अधिक है। जबकि चीन जन गण. के एकमात्र निर्यातिक मैसर्स हैंगडियन श्रूप जिआयुआन कैमिकल कं. लि., जिसने याचिका का जवाब दिया है, ने अपनी निर्यातिकों की प्रश्नावली में उनके प्लांट की स्थापित क्षमता का निर्देश नहीं दिया है। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण में चीन जन. गण. की बहुत अप्रयुक्त क्षमता है।

(ग) ऐसा भी नोट किया जाता है कि सिंगापुर और चीन जन. गण. के निर्यातिकों की कम समय में पी.एच.पी.जी. डी.एस. बनाने की पर्याप्त क्षमता है जैसाकि वह संबद्ध वस्तुओं यथा पी.एच.पी.जी. बेस तथा संबद्ध वस्तु पी.एच.पी.जी. डी.एस. के मुख्य कच्चे माल को अपने प्लांट में तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण अप्रयुक्त क्षमता निरंतर रखे हुए हैं।

### झ. वास्तविक बाधा

41. वास्तविक क्षति एवं क्षति के खतरे के अलावा वर्तमान याचिका मुख्यतः पाठित आयातों के प्रभाव से संबंधित है जोकि उद्योग की स्थापना में वास्तविक बाधा उत्पन्न कर रहा है। चैंकि याचिकाकर्ता अपने उत्पादन का निपटान भारतीय बाजार में ही करने की कोशिश कर रहा है तथा संबद्ध देशों से आयात घरेलू उद्योग के उत्पादन के वाणिज्यीकरण को रोक रहे हैं, इसलिए आयात उद्योग की स्थापना में वास्तविक बाधा उत्पन्न कर रहे हैं यद्यपि नवस्थापित उद्योग अर्थात् ऐ. दौराला ऑर्गेनिक्स लि. ने हाल ही में अपना उत्पादन शुरू किया है परन्तु उद्योग को अपना स्थान बनाना है। घरेलू उद्योग क्षमता उपयोग के संतोषजनक स्तर को पाने में तथा बाजार में अपना स्थान बनाने में असमर्थ है क्योंकि

आरंभिक चरण में ही घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाठित कीमतों पर हुए आयातों द्वारा वास्तविक बाधा उत्पन्न होने का खतरा पैदा हो रहा है।

अ. कारणात्मक संबंध

42. यह निर्धारण करते समय कि क्या घरेलू उद्योग को पाठित आयातों से क्षति (वास्तविक खतरा/वास्तविक बाधा) पहुँची थी, प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखा :—

- (i) चीन जनवादी गणराज्य और सिंगापुर से पाठित कीमतों पर संबद्ध वस्तु के पर्याप्त आयातों से घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत अलाभकारी स्तर तक घटाने के लिए विवश होना पड़ा जिसके परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में कीमत कटौती की स्थिति पैदा हुई है।
- (ii) चीन जनवादी गणराज्य और सिंगापुर से हुए आयातों से भारतीय बाजार में उत्पाद की कीमतें इस हद तक कम हो गई कि घरेलू उद्योग अपने उत्पादन की पूरी कीमत वसूलने और भारत में संबद्ध वस्तु की बिक्री से यथोचित लाभ प्राप्त करने से वंचित हो गया।

43. इसलिए प्राधिकारी उपर्युक्त से यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों विशेषतः चीन जनवादी गणराज्य से आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम कीमत पर हुए हैं। अन्य देशों से आयात बहुत कम हुए हैं और इन देशों से मूल्य अधिकतर है। इसके अलावा भारत में दोनों संबद्ध देशों से आयात घरेलू उद्योग के क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर हुए हैं। प्राधिकारी के पास मांग में कमी, खपत के तरीके में परिवर्तन, विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार नियामक अभ्यास एवं प्रतिस्पर्धा के कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं हो सके। यह भी नोट किया गया है कि प्रौद्योगिकी में विकास भी घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का कारण नहीं रहा है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों में तेजी से वृद्धि हुई है और इन देशों के पास संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु पर्याप्त अनप्रयुक्त क्षमताएँ हैं। यद्यपि मै. दौराला ऑर्गनिक्स लि. के एक नए उद्योग होने के कारण उसने हाल ही में उत्पादन शुरू किया

है तथापि उसे बाजार में अभी अपना स्थान बनाना है। घरेलू उद्योग आरंभिक चरण में होने के कारण क्षमता उपयोग के संतोषजनक स्तर प्राप्त करने और बाजार में अपना स्थान बनाने में असमर्थ है। घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाठित कीमतों पर आयातों के कारण वास्तविक क्षति हो रही है। ये मापदंड सामूहिक तथा संचयी रूप से यह इंगित करते हैं कि याचिकाकर्ता को पाठित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

44. सम्बद्ध वस्तुओं के लिए पहुँच मूल्य का निर्धारण भारित औसत सी.आई.एफ. नियात कीमत, सीमाशुल्क के उपयुक्त स्तर [धारा 3, 3(क), 8ख, 9, 9(क) और उत्तराई प्रभार लिए 1% को छोड़कर] को जोड़कर करने का प्रस्ताव है।

45. घरेलू उद्योग के लिए समान वस्तुओं हेतु क्षति रहित कीमत का निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए इष्टतम उत्पादन लागत निर्धारित करने के लिए संबद्ध वस्तुओं की वास्तविक उत्पादन लागत का प्रयोग किया है, जिसमें नियामक उचित खपत मानदण्ड और जॉच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन हेतु उपयुक्त कच्चे माल की वास्तविक कीमत को ध्यान में रखा जाएगा, क्षति मार्जिन का परिकलन करते समय जॉच अवधि के लिए निर्धारित कारखानागत क्षति रहित कीमत की तुलना आयातित वस्तुओं के पहुँच मूल्य से करने का प्रस्ताव किया गया है।

#### 46. पाटन मार्जिन तक शुल्क

प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के समकक्ष या उससे कम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की है जो यदि लगाया गया तो घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करेगा।

#### ट. भारतीय उद्योग का हित

47. पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को क्षति हो रही है तथा

भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं उचित प्रतिस्तर्धा की पुनःस्थिति लाना है जोकि देश के सामान्य हित में है।

प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्भित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग का हास रुकेगा और उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी।

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

#### ठ. निष्कर्ष

48. प्राधिकारी पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि :

- (i) संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (ii) भारतीय उद्योग को इससे वास्तविक क्षति हुई है और इसे आगे और क्षति होने का खतरा है;
- (iii) घरेलू उद्योग को उक्त क्षति के कारण संबद्ध वस्तु के विनिर्माण के लिए नए उद्योग की स्थापना में वास्तविक बाधा उत्पन्न हो रही है;
- (iv) संबद्ध देशों से होने वाले पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति, क्षति की आशंका और वास्तविक बाधा हो रही है।

(v) प्राधिकारी संबद्ध देशों/क्षेत्र से डी(-) पैरा हाईड्रॉक्सी फिनाइल ग्लाइसीन मिथाइल पोटैशियम डेन साल्ट के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन उपरोक्त पैराग्राफों में दर्शाया गया है। प्राधिकारी पाटन मार्जिन के बराबर या उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का प्रस्ताव करते हैं जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। क्षति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जाँच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कंपनी की क्षति रहित कीमत के साथ करने का प्रस्ताव है।

(vi) तदनुसार प्राधिकारी सिफारिश करते हैं कि चीन जनवादी गणराज्य और सिंगापुर के मूल से या वहाँ से निर्यातित सीमा शुल्क शीर्ष 2942 के अन्तर्गत आने वाले डी(-) पैरा हाईड्रॉक्सी फिनाइल ग्लाइसीन मिथाइल पोटैशियम डेन साल्ट जिसे डी(-) पैरा हाईड्रॉक्सी फिनाइल ग्लाइसीन डेन साल्ट (मिथाइल पोटैशियम), डी(-) अल्फा पैरा हाईड्रॉक्सी फिनाइल ग्लाइसीन डेन साल्ट (मिथाइल पोटैशियम), डी(-) अल्फा पैरा हाईड्रॉक्सी फिनाइल ग्लाइसीन मिथाइल एसिटो एसिटेट पोटैशियम साल्ट (डेन साल्ट) नामों से भी जाना जाता है, इन सभी पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। नीचे उल्लिखित संबद्ध क्षेत्रों/देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित सीमा शुल्क टैरिफ के अध्याय 29 के अन्तर्गत आने वाली संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित सारणी के कॉलम 3 में उल्लिखित राशि तथा प्रति कि.ग्रा. आयातों के पहुँच मूल्य के बीच का अन्तर होगा :—

देश/क्षेत्र	निर्यातक/उत्पादक	राशि (अमरीकी डॉलर प्रति कि.ग्रा.)
चीन जनवादी गणराज्य	मैसर्स हैंगडियान ग्रुप जिआयुआन कैमिकल कं. लिमिटेड	16.16
	अन्य उत्पादक/निर्यातक	16.16
सिंगापुर	मैसर्स कनेका सिंगापुर कॉर्पोरेशन, सिंगापुर	13.51
	अन्य उत्पादक/निर्यातक	13.51

(vii) इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा निर्धारित औंकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के शुल्क शामिल होंगे।

49. उपर्युक्त को अध्यधीन प्राधिकारी 1 अक्टूबर, 2002 के प्रारंभिक जाँच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

50. इस आदेश के विरुद्ध अपील पूर्वोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण के समक्ष की जा सकती है।

ए. वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)**  
**FINAL FINDINGS**

New Delhi. the 24th June, 2003

**Subject: - Anti-dumping investigation concerning imports of D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Methyl potassium Dane Salt (PHPG Dane Salt originating in or exported from the China PR and Singapore.**

\*\*\*\*\*

**No. 14/23/2002-DGAD:-** Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

**A. PROCEDURE:**

**2. The procedure described below has been followed:**

(i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s Daurala Organics Limited, Daurala, Meerut, U.P. on behalf of the domestic industry, alleging dumping of D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Methyl Potassium Dane Salt also known as PHPG Dane Salt originating in and exported from China PR and Singapore (hereinafter referred to as subject countries / territory) ;

(ii) The Authority notified the Embassies of subject countries about the receipt of fully documented petition application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;

(iii) The Authority issued a Public Notice dated 25<sup>th</sup> June 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine

Methyl Potassium Dane Salt falling under Chapter heading 2942 of Schedule I of the Customs Tariff Act.

(iv) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers, industry associations and to the complainant and gave them an opportunity to make their views known in writing.

(v) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and Diplomatic Missions of subject countries in India.

(vi) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the known exporters from China PR and Singapore:

M/s. Kaneka Singapore Co. (PTE) Ltd., Singapore and M/s Hengdian Group Jiayuan Chemical Co. Ltd., Zhejiang, China, have responded to the questionnaire.

(vii) The Embassy of China PR and High Commission of Singapore in New Delhi was also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time;

(viii) The questionnaire was sent to the known users/importers of subject goods as mentioned in the petition.

- M/s. Aurbindo Pharma Ltd, Hyderabad.
- M/s. Lupin Laboratories Ltd., Mumbai.
- M/s. Kopran Drugs Ltd., Raigad.
- M/s. Surya Pharmaceutical Ltd., Chandigarh.
- M/s. Torrent Gujarat Biotech Ltd, Ahmedabad.
- M/s. Ranbaxy Laboratories Ltd, New Delhi.
- M/s. Tini Pharma Limited, Mumbai.

None of the users/importers except for M/s. Torrent Gujarat Biotech Limited, Ahmedabad, have responded to the questionnaire after preliminary findings and public hearing.

(viii) The Designated Authority issued Preliminary Findings vide notification dated 1<sup>st</sup> October 2002 and forwarded a copy of the preliminary finding to the known exporters and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing within 40 days from the date of the letter;

(ix) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known importers of PHPG Dane Salt in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;

(x) The Authority provided a copy of the preliminary findings to the Embassies of subject countries with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings;

(xi) Additional information regarding injury was sought from the various interested parties, which was also received;

(xii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file as per Rule 6(7) and kept it open for inspection by the interested parties. All parties who made request for inspection, in writing, were allowed to inspect the public file;

(xiii) The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation, and the investigations were carried out at the premises of Petitioner.

(xiv) The Authority also conducted cost investigation to work out optimum cost of production and cost to make and sell subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles based on the information furnished by the petitioner.

(xv) The investigations covered the period of 1<sup>st</sup> July 2001 to 31<sup>st</sup> March 2002 (9 months);

(xvi) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 18.12.2002. All parties presenting views orally were requested to file written submissions, of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any.

(xvii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known

interested parties and comments received on the same have been addressed suitably in the final findings.

(xviii) \*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

B. Product under Consideration and Like Article

3 (i) The product under consideration in this subject investigation is

D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Methyl Potassium Dane Salt also known as :

(i) D (-) PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE DANE SALT (METHYL POTASSIUM)

(ii) D (-) ALPHA PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE DANE SALT (METHYL POTASSIUM)

(iii) D (-) ALPHA PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE, METHYL POTASSIUM DANE SALT

(iv) D(-) ALPHA PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE METHYL ACETO ACETATE POTASSIUM SALT (DANE SALT) ,(Also referred to as subject goods hereinafter.)

(ii) The petitioner has represented that predominantly D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base' (hereinafter referred to as PHPG Base) is imported in India which is converted in situ to D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Methyl Potassium Dane Salt " (hereinafter referred as 'PHPGDS or subject goods) by the various importers/manufacturers and used for the production of Amoxycillin and Cefadroxyl. (i.e. bulk drugs).

(iii) PHPG Base cannot be used directly for the production of Amoxycillin and it is only when former is converted to PHPGDS; the same is used for the production of Amoxycillin etc. This conversion is either done at PHPG/PHPGDS manufacturers' end, or at the users end, i.e. producers of Amoxycillin etc.

(iv) All types of PHPG are classified in chapter heading 29.42. As per ITC eight digits classification, PHPGDS is classified in others category i.e., in 29420017. The investigation is against the product under consideration irrespective of the classification under which it is imported. Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. There has been no comment from any of the interested parties regarding product under consideration. The Authority therefore confirms its preliminary findings regarding product under consideration.

(v) Rule 2(d) of the Anti Dumping rule specifies that Like Article is an article, which is identical and alike in all respects to the product under investigation or in absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the articles under examination.

(vi) The Petitioner has claimed that the goods produced by them are like articles to the goods originating in or exported from subject country. No dispute has been raised on the definition of the product under consideration and like article by any interested party in the investigation after the preliminary findings and public hearing. The Authority notes that PHPG DS produced by domestic industry has characteristics, which are similar to those of the PHPG DS imported from subject countries. In view of the above, the Authority holds that PHPGDS produced by the domestic industry and those being imported from the subject countries are Like Articles within the meaning of the rules.

#### C. De Minimus Limits:

4. The petitioner has represented that the statistics shown in the DGCI&S data is not representative as import data indicated by DGCI&S includes other Dane salts also which have been clubbed with the subject goods. The petitioner has relied upon the data of secondary source i.e. from International business information Services (IBIS), Mumbai. The data provided by the agency is based on Customs daily lists. The authority notes that PHPG DS is classified in 'others category' as per the Customs Tariff and hence the DGCI&S data may not be exclusive under these circumstances. The IBIS import data for the last two years and month-wise data for the period of investigation indicate that the import from the subject countries during the POI is above the de minimus levels

D. Initiation, Standing and Domestic Industry:

5. As per Rule 2(b) of the Anti Dumping Rules, "domestic industry means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers shall be deemed not to form part of domestic industry."

The definition of Domestic Industry given above is further clarified by Rule 5 of Rules which reads as follows:-

"..... the application shall be deemed to have been made by or on behalf of the domestic industry, if it is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty percent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition as the case may be to the application.

The petition has been filed by M/s Daurala Organics Limited, Daurala, Meerut, U.P. The petitioner has claimed that they are the sole producer of the subject goods in India.

6. Submissions made by the Importer M/s Torrent Biotech on standing and domestic Industry

Anti-dumping applications are filed by or on behalf of the domestic industry in terms of the provisions of the Customs Tariff (Identification, Assessment And Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995. The relevant rule is Rule 5, which is reproduced below:

**"5. Initiation of investigation. –**

"..... (3) The designated authority shall not initiate an investigation pursuant to an application made under sub-rule (1) unless -

(a) it determines, on the basis of an examination of the degree of support for, or opposition to the application expressed by domestic producers of the like product, that the application has been made by or on behalf of the domestic industry:

Provided that no investigation shall be initiated if domestic producers expressly supporting the application account for less than twenty five per cent of the total production of the like article by the domestic industry, and

(b) it examines the accuracy and adequacy of the evidence provided in the application and satisfies itself that there is sufficient evidence regarding

- (i) dumping,
- (ii) injury, where applicable; and
- (iii) where applicable, a causal link between such dumped imports and the alleged injury, to justify the initiation of an investigation.

**Explanation.** - For the purpose of this rule the application shall be deemed to have been made by or on behalf of the domestic industry, if it is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty per cent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition, as the case may be, to the application.

....." (Emphasis Added)

7. A plain reading of the provisions of the Anti-dumping Rules extracted above, clearly reflect following:

- (a) A conscious determination of standing is mandatory by the authority before initiation in terms of Rule 5 (3) and not thereafter. In other words, determination of standing is prerequisite condition to be satisfied before proceeding to initiate the investigation.
- (b) No investigation shall be initiated by the Authority if domestic producers expressly supporting the application

account for less than twenty five per cent of the total production.

© The application must be supported by at least those domestic producers whose collective output constitute more than fifty per cent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition, as the case may be.

8. In the preliminary findings, the Hon'ble Designated Authority notes that M/s. Daurala Organics Ltd. (DOL) is the sole producer of the product under consideration. It is also observed from the application as well as from the preliminary findings that the application has been filed by the DOL who have claimed to be only producers of the product under consideration. It is respectfully submitted that the petitioners have misled the authority by claiming itself as the only producer of the product under consideration. Unfortunately, it appears from the initiation notification as well as the public file that no enquiry was made by the Hon'ble Designated Authority also to ascertain the actual total production of the subject goods in the country, which in our humble opinion is a condition precedent for the initiation of the investigation.

9. It may also be recalled that during the public hearing it was brought to the notice of the Hon'ble Designated Authority that the PHPG Salt is used only for the production of Amoxycillin. This fact has also been stated by the domestic industry in their application. Since the Designated Authority is required to determine the standing of the domestic industry to file the petition before the initiation, it was necessary that the facts should have been collected from all the available sources before initiating the investigation. As mentioned during the course of the public hearing, the user industry apprehends that there are several other manufacturers of the subject goods the names of which have deliberately been withheld by the domestic industry from the Hon'ble Designated Authority. It may also be mentioned that TGBL is also a manufacturer of the subject goods, a fact which is in the knowledge of the domestic industry but was not brought to the notice of the Hon'ble Designated Authority. It was claimed by the Petitioners during the hearing that only producers who sell their produce could be considered as Domestic Industry is totally without any basis or backed by any provision of the Rules relating to anti-dumping. The Authority may also note that TGBL have also sold certain quantities. Similarly, we understand that there are other producers who have sold/supplied the subject goods to other manufacturers of bulk drugs. It was obligatory on the authority to

first examine the claims of the Petitioners and it is only then that a determination was required to be made to initiate or not to initiate the present proceedings.

10. The importer has marked as Annexure A, a list that would show that there are other producers of Dane Salt in India. Keeping the above in view it is clear that the Petitioners have deliberately withheld the crucial information on standing which has unfortunately misled the Hon'ble Designated Authority to arrive at an erroneous determination. We also would like to add that this being a pre-initiation decision cannot be corrected at this stage of the investigation, as has been held by various WTO Panel decisions.

#### 11. Examination by the Authority

The Authority has examined the contentions of all the interested parties with regard to the status of the domestic industry and standing in this subject investigation. It is claimed by some interested parties that there are several other manufacturers of the subject goods the name of which have deliberately been withheld by the domestic industry from the Designated Authority. They have mentioned the name of one of the producers of the subject goods and they have also submitted their excise registration certificate in the confidential submissions before the Authority stating that the said company has the required registration certificate to manufacture the subject goods. The Authority recalls that at the time of Initiation it had circulated the appropriate questionnaire among all the interested parties so that they can submit the required information pertaining to the subject investigation to the Authority. It is also recalled that a copy of the preliminary findings was also dispatched to all the interested parties including the one mentioned by the importer in his confidential submissions to give their comments. Further, during the public hearing an opportunity was provided to all the interested parties including the one mentioned by the importer to present their views before the Authority and to give written submissions/rejoinders. It is stated that none of interested parties with the exception of M/s Torrent Gujarat Biotech Limited, an importer of subject goods and exporters from Singapore and the domestic industry attended the hearing and submitted the response. Thus, the Authority recalls that enough opportunity has been provided to all the interested parties to submit the information pertaining to the investigations. Moreover, M/s.\*\*\*\*\* whose name has been referred by the importer in their confidential submissions as another producer of the subject goods have responded to the Authority before the Preliminary Findings on August 5, 2002 stating that M/s. Daurala Organics

Limited is the only producer of this material in India. That producer has further added that levying of anti dumping duty on PGPG Base has already disturbed the trade and imposing of anti dumping duty on PHPG Dane Salt will further aggravate the financial position of the industry and will make life savings drugs further costlier to the domestic users. They have also added that it would become a monopoly business for M/s. Daurala Organics Limited. The Authority further recalls that a similar letter was also received from M/s, Surya Medicare Limited, Chandigarah and M/s Morepen Labs. Limited , New Delhi on 3<sup>rd</sup> and 5<sup>th</sup> August respectively sharing the identical views as submitted by abovementioned interested party.

12. As regards the contention of the some interested parties that there would be other manufacturers who are producing the subject goods for their own captive consumption and their out put should also be counted for determining the standing of the petitioner, the Authority is of the view that captive consumption of subject goods by any interested parties would not be qualified for the standing aspect as the production and sales of the subject goods by the interested parties are relevant for the issue of standing.

13. In the light of these observations the Authority holds that M/s Daurala Organics Limited, Daurala, Meerut is the sole producer of the subject goods in India and has, therefore, the required standing to file the petition as a domestic industry under the Rule 2(b). Accordingly, the petitioner satisfies the criteria of standing to file the petition on behalf of the Domestic Industry in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules supra.

#### E. Period of Investigation

14. The Authority has taken POI from 1<sup>st</sup> July 2001 – 31<sup>st</sup> March 2002 being the most recent period for the investigation when this case was initiated on 25<sup>th</sup> June 2002. This period was also taken because of the closing of the quarters and the feasibility of getting the complete data. The Authority confirms that nine months time is adequate and just for Anti Dumping Investigation since it also synchronizes with the three quarters for which the relevant data could be available.

#### 15. Other Views: Views of Importer M/s Torrent Gujarat Biotech Ltd

(i) D(-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Dane Salt (Dane Salt) is an important catalyst for manufacturing Amoxicillin. The basic raw material required for manufacturing Dane Salt is D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base (Dane Base). For manufacturing 1 Ton of Amoxicillin, we require approx. 862 Kgs. of Dane Salt and for manufacturing 1 ton of Dane Salt, we require 562 kgs of Dane Base. Thus, considering the total volume of 4500/5000 MT of Amoxicillin being manufactured in the country, the total requirement of Dane Salt works out to 3800/4300 MT or 2100/2400 MT of Dane Base.

(ii) During April 2001, Daurala Organics Limited (DOL), started manufacturing Dane Base/Dane Salt with an estimated installed capacity of 400/500 MT per annum of Dane Salt as against estimated requirement of 3800/4300 MT. Thus, the production capacity of DOL is hardly 10% of the estimated domestic requirements.

(iii) The impact of the anti-dumping duty as pronounced would be as under:

- a) The cost of Amoxicillin would go up by 20%
- b) The exporters would be tempted to increase the price to as close to 13.87 US \$ (with 30% duty) as possible. This would negate the benefit of the negotiations and lower price to Indian importers.
- c) There will be no inducement for further negotiations in the price of Dane Salt.

(iv) The alternatives to the above anti-dumping duty could be as under:

Levy fixed Anti-Dumping Duty in addition to 30% (say – 20%). This would induce the importer to negotiate for price reduction, protect the Indian manufacturers and also benefit the customers or considering the Indian capacity, permit import of Dane Salt subject to local purchase – say 80:20. This would mean that if 20% is bought locally, 80% is allowed to be imported. This would ensure protection to Indian industry, realize the price advantage from import and help in sale of Amoxicillin at a lower price benefiting the customers.

16. The Authority has analysed the interests of other countries in the Para 47 of the findings. As regards levy of Anti-Dumping Duty in different form, the Authority has recommended the Anti-Dumping Duty as mentioned in Para 48.

F. Issues relating to the Dumping Margin

17. (1) Views of Exporter M/s Kaneka Singapore Corporation, Singapore :

Kaneka strongly refutes the charge made by the complainant that the exporter's responses were grossly insufficient, inadequate and contradictory. In fact the response filed by Kaneka was detailed and complete. Even the Designated Authority has accepted all the information provided by Kaneka.

(2) In paragraph 1 and 2 on page 4 of the written submission, the complainant has stated that Kaneka Japan, Sumit International Singapore, Sumitomo Corpn. India Pvt. Ltd, Delhi, and Sampark International Pvt. Ltd, New Delhi are directly or indirectly related/interested parties to each other in terms of selling arrangements, financing/funding, providing services/intermediates etc. Hence, in the absence of response from the related parties, involved in the transactions the submissions cannot be said to be complete in all respect. In this connection, it is submitted that rule 2 (c) of the Rules defines "interested party" to include:

- (i) an exporter or a foreign producer or the importer of an articles subject to investigation for being dumped in India, or a trader or business association a majority of the members of which are producers, exporters or importers of such an article;
- (ii) the Government of the exporting country; and
- (iii) a producer of the like article in India or a trade and business association a majority of the members of which produce the like article in India;

(3) From the above definition of interested party, it is clear that a person has to be either an exporter or a foreign producer or an importer or a trader or a business association in which majority of the members are exporters or producers or importer of the article. Kaneka Japan, Sumit International Singapore, Sumitomo Corpn. India Pvt. Ltd, Delhi, and Sampark International Pvt. Ltd, New Delhi are neither the exporters nor producers nor importers nor traders nor a business association. These companies are only acting as a selling agent of Kaneka and are paid commission for their services. Therefore, they do not qualify as an interested party and are not required to file any response to the questionnaire provided by the Designated Authority.

(4) In its submission, the complainant has observed that during the last two years and POI there is a declining trends in overall production of M/s. KSC as well as decline in production of the product under consideration.

This is factually incorrect and we like to point out that there was an increase in production of PHPGDS during the calendar year 2001 as compared to the calendar year 2000. The decline in overall production is due to the fact that there has been a decline in the production of other products manufactured by Kaneka.

(5) The complainant in its written submission has also stated that the cost of goods sold consists of "variable cost" and "fixed cost" and does not include the overhead cost such as sale cost, general and administration cost, interest expenses, and exchange loss/gain. This is not correct because the details of cost of production clearly provide for general administrative cost, interest cost and other manufacturing overheads. Further, we also like to point out that in our response to the questionnaire provided by the Designated Authority, it is clear that the price at which the PHPGDS was exported to India was more than the price at which it was exported to other countries.

(6) The complainant has in its written submission stated that the depreciation for "manufacturing facility only" has been taken into account and the depreciation of the common facilities have not been taken into account. In this connection we like to submit that the depreciation relating to other than the manufacturing facility, such as depreciation of assets for administration, has already been included in the selling and administration cost. Depreciation relating to the manufacturing facilities of PHPG Base is already included in depreciation expenses stated in the PHPGDS cost sheet, and hence, there is no need to add the depreciation relating to the manufacturing facilities of PHPG Base in the cost of PHPGDS.

(7) The complainant has also stated that storing expenses for finished goods etc. has not been taken into account. In our written submission we have clearly stated that the finished goods are stored in the warehouse owned by Kaneka and therefore there is no expense incurred for storing the finished goods.

(8) As regards the consumable, we like to submit that the consumable relating to the manufacture of PHPG Base has been included in the manufacturing overhead. Therefore, the cost of consumables taken into account for the manufacture of PHPGDS does include consumables used in the manufacture of PHPG Base.

(9) We deny to have ever stated in our confidential and non-confidential information that when the productivity is high in order to shorten cycle time of each batch, it may be necessary to use more utility cost to cool and heat the product more quickly and so consumption of utility becomes worse.

(10) The complainant has stated that from the balance sheet it has been observed that there is no considerable disposal on the existing assets rather there is a substantial addition in the plant and machinery of the company. In view of the reasons given above, it is concluded that the total depreciation amount cannot be less than previous year's figures. This indicates that the company has not charged full depreciation to the products during the period of investigation. In this connection it is submitted that in the notes to the financial statement, the auditors have explained as to how the depreciation is charged. Further, the auditors have not indicated at any place that there has been a change in the method of claiming depreciation. The reason for the decline in the depreciation for the year 2001 is that the cost of the assets are written off over their estimated useful lives of the assets. From the latest balance sheet it is clear that net book value has gone down and hence some of the assets, which are still in use, have fully depreciated and no depreciation is being provided on them.

(11) The Complainant has submitted that the exporter has indicated that in lieu of interest, company is paying profit to Kaheka Japan apart from dividend. Accordingly, for determination of normal value, the Authority proposes to add reasonable profit to the cost of production so arrived to determine Normal Value of the product under consideration during the period of investigation. In this connection we like to submit that the amount of profit to Kaneka Japan shown in the factory cost and profit of exports to India is already included in the final price of PHPGDS as commission paid to Kaneka Japan. This has been clearly explained in the footnotes to the appendix. Therefore, the amount of profit should not be added to Normal value.

(12) As regards Appendix 7 B, Kaneka has already provided the Designated Authority with the explanation. We are not dealing with it here. Further, Kaneka also like to state that they have provided the Designated Authority with the detailed costing of PHPGDS and the Designated Authority did not find any anomalies, inconsistencies and discrepancies in our submission. In fact, except for the difference in the price of HPG in Appendix 7 and Appendix 8, the Designated authority has accepted all other data provided by Kaneka. By its letter dated November 29, 2002, Kaneka explained the reason for difference and at the time of oral hearing we were informed that the Designated Authority have received the aforesaid letter and were examining the implication.

(13) The Complainant has also stated that the exporter has granted interest-bearing credit in case the credit period extends to 180 days or more. However, the exporter has granted interest free credit period in case the credit period is 120 days. In this connection, we like to submit that interest free credit period of 180 days is permissible under Foreign

Exchange Management Act, 1999 and Kaneka has provided the maximum interest free credit period permissible under the law. Further, allowing the importer a credit period greater than 120 days is a business decision arrived at after negotiation between the exporter and the importers. And it has got nothing to do with the pricing of the product.

**18. Views of the Exporter M/s Jiayuan Chemical Co. Ltd., Zhejiang, China PR**

1. In the replies to the Questionnaire, our client – the only cooperating party from China in this proceeding – formally made a written request to individual treatment, in particular the concerned company submitted that it has independent rights and powers to manage its production, select customers, decide prices, etc. To this end, we have supplied a valid copy of Business of License and a copy of Articles of Association, etc. Such information would have sufficiently provided the Indian Authority a ground to evaluate whether the concerned company is operating its production and commercial activities independence of the State control/influence.
2. Again, in the absence of written procedural rules provided, our client is formally re-iterating its request for being treated separately to distinguish itself from all the other non-cooperating parties in this proceeding would be amount to punishing its cooperation in good faith with the Authority. This is of no difference from using "facts available", makes its efforts totally useless and conveys a wrong message of the Chinese business community that no company stands a good chance in the Indian anti-dumping proceeding.
3. This gives rise to a legal question i.e. whether the petitioner is legally qualified as a representative industry, given that many pharmaceutical companies are also converting PHPG Dane Salt, other producers have such capabilities but no commercialize such conversion. If we exclude other operators who have not been concerting the product concerned, but the conversion activities by pharmaceutical companies must be considered as producers of like product for PHPG DS. In other words, a representative of 50% not to oppose to the complaining actions shall be passed and 25% clearly supported such petition must be obtained.
4. We strongly state to the Indian Authority that the companies in today's Chinese economic operation are no longer subject

to a 'complete and substantially state monopoly'. This is the sole reason that Canada has granted a full "market economy status" to an entire sector industry in the recent Car Window Shields Case; the United States are systematically granting all the Chinese cooperating companies individual treatment ; and the EU has, through procedural rules, granted companies' market economy status.

5. Those remarkable moves indicate their readiness to objectively assess each company's economic operation and also to avoid any unreasonable legal bias against the Chinese cooperating companies, because some rules that were used in early time are not clearly supported by the WTO rules any more.
6. We are, however, extremely surprised to read that the Indian Authority has used "facts available" in order to determine normal value for our client. As we know well, facts available can only be applied in a special situation; for instance, a cooperating company is purposefully impeding the investigation, or supplying false information. In some cases at WTO, the Panel Reports have clearly criticized some investigating authorities to disregard the entire supplied information, although non-confidential summaries were not furnished for some parts of the submission.

They have submitted further comments in response to the query made by the Authority to respond to market economy treatment as per 8.3 of the Annexure 1 to the Anti Dumping rules.

7. During the complete period of investigation, the Respondent has exported subject goods to India through the third party, Hengdian Group Import & Export Co. Ltd which is in Hangzhou, Zhejiang, China. The information about the export price to Indian included in the Appendix-3, Appendix-4, Appendix-8 which was provided in July 2002 is actually the domestic sale price on which the Respondent sold the subject goods to Hengdian Group Import & Export Co. Ltd.
8. Hengdian Group Import & Export Co., Ltd, quoted export price to its Indian customers, entered into contracts and exported the subject goods in its name. After making contract with its Indian customers, Hengdian Group Imports & Export Co. Ltd purchased the subject goods from the domestic suppliers including the respondent and the

purchasing price was negotiated and decided in response to the signal of the market.

9. Besides the subject goods, the Respondent produces other 8 kinds of product. So the Respondent can not submit a vast amount of data regarding other products including their quantity and value by such short deadline, so the Respondent pleads for a relatively sufficient time to prepare the data required by the Indian Authority.
10. The Respondent is a limited liability company with investment contributed by 2 shareholders, who are all independent legal person. There is no local/regional authority or state involvement in setting price/quantities.
11. The wage is determined on the base of the qualification, merits and workloads. So to speak, the rate of wage of the Respondent is determined by an average level of wage, on which base, the level can be adjusted upwards according to the performance of each employee. The salary is paid on a draw base monthly. As for the information about the number of skilled workers, unskilled workers, managers and the average wage paid to each of these categories in the POI, please see Annex iii(vi) which have been provided on January 29, 2003.
12. Being an independent legal identity, the right to develop business to form cooperation, to merge with another entity or economic organization, etc. is fully granted and protected by the laws of China. To form a joint venture or introduce foreign investment is one of the rights enjoyed by the corporate entities in China, including the Respondent. In this regard, it should highlight that any legal entities in China can set up any types of cooperation involving foreign companies. The law does not prohibit companies from establishing cooperation with foreign companies, such as formation of equity joint venture, cooperative joint venture or technology transfer, etc. However, it is the decision of a company whether or not it deems necessary or economically justified to form a joint venture or utilizing foreign capital. For instance, the Respondent deals with a certain range of products for imports and exports, legally speaking, if a chance arises to its best interests and benefits, it will effectively form a cooperation with one or more foreign companies to tap on a new product or new market.

13. The Respondent was established in 1994, so its production cost and financial situation is not subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts.
14. Since the Respondent is formed under the relevant laws of China, including the bankruptcy and property laws, and has duly obtained a independent legal persons status, its corporate activity shall be regulated and protected by all the laws without any derogation or exemption. So the legal certainty and stability for the operation of the Respondent are guaranteed by the laws of China including the bankruptcy and property laws.
15. The Respondent would like to point out that a legal corporate entity is subject to no restrictions whatsoever in terms of converting different foreign currencies for its international business purpose in China. As a matter of fact, the issue of currency convertibility in China has been undergoing a gradual process of liberalization, and consequently, this has by and large facilitated the companies' flexibilities and capabilities to develop international commercial activities.
16. The Respondent hereby submits that it is an independent legal person operating its commercial activities in response to the signal of market. Its business activities are freely developed with no interference or any degree of control by the government. It therefore, respectfully requests the Indian Authority to treat it as a company operating in a market-oriented manner and to assess its exports sales, especially dumping determination separately.

#### Response of the Domestic Industry after the Disclosure

- 18A On going through the "Disclosure" (para 2.25) it is noted that the information submitted by the exporter could not be fully reconciled with the data provided in the Annual account which is mainly due to their providing data mostly in the nature of "Management Information System/Reports"
- \*18.B Considering the above, we feel the Authority should summarily reject their cost data etc.

While going through the para 2.13 of the "Disclosure", we are unable to understand whether the incidence of interest has been considered to arrive at the ex-factory export price. We strongly feel that as the exporter is providing credit to its customers, there is a financial implication while offering credit and therefore the incidence of the same to be taken in the pricing of the product.

#### **18C Response of the Exporter M/s KSC after the disclosure**

1. The designated authority has not given any explanation as to how they calculated the normal value at US \$ \*\*\*\*/kg from the costing records presented by M/s. Kaneka Singapore Corporation, the ex-factory price of PHPG DS during the POI comes to US \$ \*\*\*\*/kg from goods exported to India and whereas during the same period for the goods exported to countries other than India, the ex-factory price works out to US \$ \*\*\*\*\*/kg. The ex-factory price for different countries are determined on the basis of market mechanism such as demand and supply of a particular commodity in that particular country

#### **19. Examination by the Authority**

Under Section 9A(1) (c) of the Customs Tariff Act 1975, Normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
  - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
  - (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and

general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)";

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

CHINA PR:

M/s. Hengdian Group Jiayuan Chemical Co. Ltd., China.

20. The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). Only one of the exporters from China PR i.e. M/s. Hengdian Group Jiayuan Chemical Co. Ltd., China P.R. has responded to the Authority. The Authority had pointed out the deficiencies in the response submitted by the cooperating exporter from China PR and had asked the exporter to submit the information in the form and manner of the exporter questionnaire. The Authority had also asked the exporter on 15<sup>th</sup> January and 17<sup>th</sup> February 2002 to furnish costing information pertaining to format C-1, C-2, A and B and the necessary information as mentioned in the subparagraphs 3 of the Para 8 of the Annexure –1 and as mentioned in the page 37 of the preliminary findings to enable the Authority whether

- a. The decision of concerned firms regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to the market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. The production cost and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and
- d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

The Authority finds that the producer/exporters have furnished comments with regard to procurement of raw material and other relevant inputs for manufacturing the product concerned and the names and addresses of suppliers along with their constitution. They have also commented on the fact that how labour had been organized for production purposes and remuneration of skilled as well as non-skilled workers have been submitted. They have also added that being an independent legal entity, the right to develop business, to form cooperation, to merge with another entity or economic organization etc. is fully granted and protected by the laws of China. The law does not prohibit companies from establishing cooperation with foreign companies, such as formation of equity joint ventures or technology transfer. They have also added that its production cost and financial situation is not subject to significant distortions carried over from the former non-economy system, in particular in relation to declaration of assets, other right offs, barter trade and payment via compensation. They have further added that their business activities are fully developed with no interference or any degree of control by the Govt. They have requested the Authority for an individual treatment in the light of these submissions.

21. The Authority has examined the contention of the exporter with regard to its submissions for the market economy treatment. The Authority notes that the cooperating firm has not produced any supporting evidences/documents with regard to rebutting the presumptions as mentioned under 8(3) of the Annexure I to the anti dumping rules. The firm has also not submitted any copies of invoices from the suppliers; nor they have given any documents in support of the comments made in the preceding paragraph.

22. The Authority notes that in the absence of information as mentioned above, a determination of normal value as per provisions contained in Section 9A(i) c (i) & (ii) read with rule 2 (i) and (ii) of the Annexure I of the Anti dumping rules can not be made. The Authority is therefore unable to apply the principles set out in the paragraph 1 to 6 and is constrained to proceed as per the facts available.

23. Under the circumstances Normal value under the rules is proposed to be determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore the information available on the estimated costs of the production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out the normal value of the subject goods in China PR. The Normal value

determined by the Authority for M/s Hengdian Group Jiayuan Chemical Co Ltd, comes to US\$ \*\*\*\*/kg.

#### EXPORT PRICE:

24. The Authority notes that there is no dedicated customs classification for the subject goods as the same is classified in others category. As DGCI&S data for the period do not reflect all the transactions during POI, the Authority has relied on the data furnished from the secondary sources i.e. IBIS, Mumbai for calculating the quantum of exports from China PR to India. Subsequent to the preliminary findings, the exporter has submitted that they are exporting the subject goods through their group company M/s. Hengdian Group Import & Export Co. Ltd. They have also mentioned that Hengdian Group Import & Export Co. Ltd. quoted its export prices to its Indian customers, entered into contracts and exported the subject goods in its name. They have provided information with regard to various adjustments before and after FOB in terms of trade, insurance, commission, etc. The authority accepts the sales price structure for exports to India as mentioned in Annexure 3 and the net export price at the ex factory level has been determined as per the adjustments claimed by the exporter. Therefore, the ex factory export price for the cooperating exporter works out at US \$\*\*\*\*/kg.

#### DUMPING MARGIN:

25. The principles governing the determination of normal value, export price and the dumping margin as laid down in the Custom Tariff Act and the Anti Dumping Rules are elaborated in Annexure I to the Rules. The normal value for China P.R. based on the best information available works out to US\$ \*\*\*\*/Kg. The net ex factory export price worked out on the basis of allowing adjustments as claimed by the exporter works out to US\$ \*\*\*\* per Kg. The dumping margin for exports of the subject goods from China PR is assessed by the Authority at US \$ \*\*\*\*/Kg or 72% of the export Price.

#### Other Exporters from China PR

26. The Authority provided opportunity to the known exporters from China PR to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the China High Commission of China in India also. However, no other exporters from China have responded to the Authority's request for information. The claim made by the petitioner with the regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party (ies). Under the circumstances

Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore the information available on the estimated costs of the production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out the normal value of the subject goods in China PR.

27. The Normal value determined by the Authority for other exporters from China PR comes to US\$ \*\*\*\*/kg. The export price for other exporters from China PR has also been calculated taking into account the average price of exports made to India. The export price at ex-factory for other exporters comes to US \$ \*\*\*\*/Kg. Thus, the dumping margin in case of Non-co-operative/other exporters of PHPGDS from China PR is assessed by Authority at US\$ \*\*\*\*/Kg or 72% of Export price.

M/s. Kaneka Singapore Corporation (Pte) Ltd (KSC), Singapore.

(a) NORMAL VALUE:

28. The exporter has claimed in the appendix I of the Exporters' Questionnaire that they do not have any domestic sales. As regards determination of normal value, the Authority notes that the normal value can be determined, in the absence of domestic sales, by taking either a comparable representative price of the like article when exported from the exporting country to an appropriate third country or by taking cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the Rules made under sub-section (6). In this case, the Authority notes that the exporter M/s Kaneka Singapore Corporation, hereinafter referred to as KSC, has made exports to various countries including India during the POI. While scrutinizing the exports from M/s KSC, the Authority notes that they have made exports to India during July –December 2001 while they have exported to other counties during entire POI i.e. July – March 2002. The Authority has determined normal value for M/s Kaneka Singapore Corporation as per information submitted by them after constructing the costs and adding the profit as claimed by them

29. The company has submitted factory costs and profit of exports to India in the Appendix 8 wherein they have submitted unit selling price at the ex factory level. The information submitted by the exporter could not be fully reconciled with the data provided in the annual accounts. The information provided are mostly in the nature of management information system/reports. The Authority has gone into the records

maintained by the exporter with regards to Annual accounts and has derived the costs of sales of the subject goods from the Annual /periodical account. The company charges \*\*\*\*% profit for itself and \*\*\*\*% for the parent company. These profits have been added to the cost of sales to arrive at the normal value based on the cost of production. The Authority has taken into account the data as submitted by the exporter in the Appendix 7. The normal value based on the cost of production for the cooperating exporter has been determined as US\$ \*\*\*\*/kg as per section 9A(i)@ii(b) of the Anti Dumping Rules.

#### EXPORT PRICE:

30. The exporter has exported \*\*\*\* Kg. of PHPGDS to India for a total value of \$ \*\*\*\* Accordingly, the average export price of PHPG during the period of investigation works out to US\$\*\*\*\*per kg. The exporter has claimed adjustments on account of discount, inland freight, insurance, overseas freight, insurance, etc. to arrive at the Ex-factory export price to India. The Authority notes that most of the exports have been made by M/s Kaneka Singapore Corporation (KSC) via their principal M/s Kaneka Corporation (KC), Japan and these have been further supplied to India by M/s Summit Chemicals Asia Pte. Ltd. (SCAP), Singapore. While determining the export price to India, the authority has taken the first transaction from M/s Kaneka Singapore Corporation to India through M/s. Kaneka Corporation, Japan and APC Pharmaceuticals & Chemicals Ltd., Hong Kong as the FOB export price with applicable adjustments towards inland freight, insurance, handling charges, overseas freight, insurance and shipping charges as suggested by the exporter in the Appendix IV of the Exporters' Questionnaire. This has been done to neutralise any commissions arising out of the exporter's sales through their parent company and other intermediates like SCAP and APC. The Authority has not made any adjustments on account of interest being paid on account of exports as it has taken into account ex factory export price netting back all the commissions and other charges of their parent company and other dealers. The Ex. Factory price for the export sales to India for this cooperative exporter works out as US \$ \*\*\*\*/Kg. Hence, the Authority confirms the ex factory export prices as determined the preliminary determination for the final findings. Thus, Authority assesses the dumping margin in case of cooperative exporter of PHPGDS from Singapore at US\$ \*\*\*\*/Kg or 8.07% of Export price.

#### OTHER EXPORTERS FROM SINGAPORE:

31. The Authority provided opportunity to the known exporters from Singapore to furnish information relevant to the investigations and offer

comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Embassy of Singapore in India also. However, no other exporters from Singapore have responded to the Authority's request for information. The claim made by the petitioner with the regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party (ies). Under the circumstances Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). The Authority has determined the normal value for other exporters as the same as has been determined for the only exporter from Singapore i.e. M/s KSC, Singapore. The Authority has taken the weighted average export price during the POI for exports to India by the same exporter. The Normal value determined by the Authority for other exporters from Singapore comes to US\$ \*\*\*\*/kg and the export price has been determined at US\$\*\*\*\*/kg.

32. Thus, Authority assesses the dumping margin in case of Non-co-operative/other exporters of PHPGDS from Singapore at US\$ \*\*\*\*/Kg or 8.07% of Export price.

#### G. INJURY

33. Under Rule 11 supra, Annexure -II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

#### CUMULATIVE ASSESSMENT OF INJURY

34. Annexure II (iii) under Rule 11 supra further provides that "in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti Dumping investigation, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping established in relation to the imports

from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual country is less than three percent ,the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and cumulative assessment of the imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles"

35. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limit prescribed above. Cumulative assessment of the effect of the imports from China P.R. and Singapore is appropriate since the export prices from these countries were directly competing with the prices offered by the Domestic Industry in the Indian market and displacing domestic producers here.

36. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra.

### 37. Views of the Petitioners

1. Imports from the subject countries form a substantial part of domestic demand and the quantum of imports from each of the subject country is more than De Minimus.
2. The Petitioner is a new entrant. However the exporters from subject countries are dumping the subject goods in India to make sure that domestic industry cannot get any market share and to kill it at its nascent stage itself.

Imports of PHPGDS into India from Subject countries (% of total imports)

Country	Singapore	China
Period	% Of Total Impo	% Of Total Imports
99-00	22.35	00.00
00-01	75.67	10.25
2001-2002	66.31	19.88
POI	54.66	30.38

Period	Country	Qty (Kg)	Value	% of Imports
99-00	EU	66000	800307	77.65
00-01	Do	8000	97466	14.08
01-02	Do	17750	206066.56	13.81

### Imports of PHPGDS from Non Alleged Sources

3. During the Period of Investigation, the capacity utilisation of the domestic industry has been very low though the demand has been there.
4. There has been a significant decline in the net sales realisation during the POI.
5. Because of the sharp fall in the export price, the importers are forcing them to match the imported price. The petitioner is not in a position to provide the subject material at such a low price, which can not recover the even marginal cost resulting into loss of customers.
6. As the industry is at its nascent stage, protection from unfair trade is vital and urgent otherwise manpower deployed will loose their jobs.
7. Domestic industry is operating at loss from its beginning itself.
8. The present petition is against the material retardation of the establishment of the domestic industry.

### 37 A Views of the Domestic Industry after the Disclosure

We had submitted vide our letter dated 20<sup>th</sup> January 2003 certain documents on "confidential basis" evidencing that contractual formalities were completed by KSC as well as payments confirmation was established at a very low price for supply of 14.4 MT of PHPGDS though the material landed into India immediately after the period of investigation. We, therefore, again request that the Authority must consider the above transaction for the purpose of determination of export price.

We would like to submit that for residual exporters in case of Singapore, the imposition of Anti-Dumping should be to the level of "NIP"

### 37B: Views of the Exporter M/s. KSC

1. The authority has failed to examine the decline in the prices in the context of the trend of the international prices of PHPG DS and has taken the mere allegation by the complainant as evidence.
2. There is no evidence given by the complainant to prove that there was a loss of contract due to imports of PHPG DS from Singapore. Also, It is not

possible for the complainant to get the market share in the first few months of the production.

3. Inability to Raise capital has got nothing to do with dumping for losses the complainant is making . The exporter has further added that the cost of the production of complainant is high because of the complainant has started operations two months prior to the POI. The exporter has also added that the authority has not given any evidence or reasons as to how the complainant has suffered the loss by import of PHPG DS from Kaneka Singapore. They have further submitted that there is no evidence that has been provided to prove that the complainant has suffered any material injury because of imports from KSC.

#### EXAMINATION BY AUTHORITY

##### (a) Quantum of imports and export price

38. The information with regard to the quantum of imports of the subject goods has been based on the statistics compiled from Customs Daily Lists. The Authority notes that there has been an increase of 364% in the volume of imports of the subject goods from China PR during the Period of Investigation over 2000-01. Even during the POI there has been a substantial increase of imports from China PR. Further the average export price from China PR has also declined during the Period of Investigation as against 2000-01. Even during the POI there is a marked decline in the exports price from China PR as illustrated in the table below. Though exports from Singapore has not exhibited an increasing trend in the POI as against 2000-01 in quantity terms, the average export price has declined significantly during the POI as against previous year and also during the POI as illustrated in the table below:

	Countries	Qty	Share of Subject countries in total imports
98-99	Singapore	****	62%
	China	****	
99-00	Singapore	****	78%
	China	****	
00-01	Singapore	****	96%
	China	****	

POI Ann	Singapore	****	95.7%
	China	****	

Source: Transaction wise data from secondary sources for imports from China PR for all periods and for imports from Singapore for 98-99 and exporters confidential data for subsequent period

(ii) Decline in export price from subject countries as compared to previous year.

Country	China PR	Singapore
Period		
99-00	-	100
00-01	100	93.78
POI	83	86.92

Indexed figure taking 99-00 as base year for Singapore and 00-01 as base year for China PR.

(iii) Decline in the export price during POI from subject countries.

Country	China PR	Singapore
Period POI (July-Mar 2002)		
July	100	100
August	-	-
September	82.35	85
October	-	79
November	-	85
December	-	85
January	-	-
February	66.38	-
March	-	-

Indexed Figure taking base month July 2001 as 100.

(b) Changes in market share held by Indian producers and imports from the subject country (ies):

The Authority notes that M/s DOL is the new entrant in manufacture of the subject goods in India and the exporters from subject countries have intensified dumping of the subject goods into India. The Authority notes that Domestic Industry is not able to gain any market share despite putting up plant and commissioning the production with significant capacity

(c) Production and Capacity utilisation of the petitioner:

The Authority notes that the petitioner has achieved capacity utilization of \*\*\*\*% for all kinds of Dane Salts of its existing installed capacity during period of investigation. However, for the production of subject goods the capacity utilization is only \*\*\*\*% of the installed capacity. The low capacity utilization for the subject goods has been due to the absence of any orders for the premium item PHPGDS and consequently the firm was made to utilise the unutilised capacity for making other Dane Salts with slight modifications in the plant. The Authority notes that keeping in view the demand of PHPGDS in the country, the capacity utilisation of the plant for the subject goods is far below than what could have been achieved by the Domestic Industry.

(d) Insignificant gain of market share:

The Authority notes that the domestic industry is at nascent stage, hence no past trends are available but domestic industry is unable to increase its sales volume, in spite of demand of the subject goods in the country, because of dumped imports from subject countries.

(e) Evidence of Lost Contract:

It has been claimed that because of sharp decline in the export price by the exporters, importers are forcing the domestic industry to match the export price and at such price the domestic industry cannot recover even its marginal costs. It is also claimed that the domestic industry is unable to sell the material at such a low price resulting to loss of contracts/customers. The authority notes that the domestic industry has been forced to match the export price resulting into losses, it cannot conclusively ascertain injury because of the lost contracts.

(f) Reduction in selling price, price erosion,

The Authority has analysed the impact of dumped imports on the selling price of the domestic industry by comparing the monthly net sales realisation of the subject goods during the period of investigation.:.

Period	Qty Sold/Kg	Net Sales Realization (Rs/Kg)
July-2001	****	100
August –2001	****	-
September-2001	****	-
October-2001	****	-
November -2001	****	89
December-2001	****	89
January 2002	****	89
February 2002	****	87
March 2002	****	85

Index figures considering July 2001 as 100.

The table above indicates that the monthly average net sales realisation during the Period of Investigation has declined from Rs \*\*\*\* /Kg. to Rs \*\*\*\*/ Kg. during July 2001 to March 2002 showing a substantial decrease within the Period of Investigation itself. This is mainly due to decrease in the average export price by the exporters after the starting of the commercial production by the Domestic Industry. The Authority notes that the domestic industry has suffered price injury due to decline in selling price.

(g) Employment:

The Authority notes that there is no change in the employment pattern of the domestic industry though it has been claimed that without protection from unfair trade practice, manpower deployed will loose their jobs. The Authority could not conclusively confirm injury due to this parameter.

(h) Cash Flow and Working Capital

It has been claimed by the exporters that exports from subject countries have not only declined the prices sharply but have also been offering higher credit period up to 180 days or more. The importers/users in India are also demanding the level of credit period from the domestic industry resulting into

the blockage of valuable working capital. The Authority notes that the domestic industry is facing adverse cash flow.

(j) Ability to raise capital investment:

The demand of the subject goods in India is more than the existing capacity of the domestic industry and company plans to raise its capacity with a view to cater to domestic demand as well as the export demand. It is claimed that due to dumped imports from subject countries the domestic industry is doubtful to achieve the target or even the raise capital from the market unless remedial action is taken to prevent dumped imports from subject countries. The Authority notes that firm's ability to raise capital investment is limited in the current scenario.

(j) Increase in stock and return of investment

The authority notes that since there is no past trend, comparison of increase and decrease in stock cannot be ascertained. Therefore, the Authority could not confirm any injury due to inventory position. However, It is also noted that return on the investment by the domestic industry is negative.

(k) Profitability:

It has been observed that the Domestic Industry could sell the subject goods at prices so as to match the same being offered by the exporters resulting in huge losses. The Authority notes that the domestic industry is incurring losses since they commenced production.

Price Undercutting, Price underselling, Price depression and Price suppression

39. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree. For the examination of the impact on the domestic industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of industry as production, sales, stock, profitability, net sales realisation etc. On examination of the evidence, it has been found there has been a sharp price undercutting immediately after the domestic industry has started its trial run and continued further during much of the POI. Additionally, domestic industry is prevented to utilise its present capacity and capacity utilisation has been very low during the POI for the subject goods. However, the most significant parameter evidencing injury and threat of further injury is the price undercutting and price underselling. As per the evidence available with the authority it is seen that the firm could not increase the prices

of subject goods during POI to the level where it could recover its cost of production along with fair return on capital employed. The Authority has also analysed the landed price of the imported subject goods with the cost of production of subject goods by domestic industry and notes that landed imports are depressing/suppressing the selling price in the domestic market.

The Authority has also examined the claim of the petitioner that the domestic industry is suffering on account of the losses. The Authority notes that price underselling is an important indicator to make an assessment of the injury. The Authority has worked out the Non-injurious price for the product under consideration and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The analysis shows a significant incidence of price underselling causing injury to the domestic industry. The imports have had significant suppressing/ depressing effect on the prices in the domestic market, as the domestic industry has not been able to raise its selling price in view of the dumped imports.

#### Price Undercutting and Price Underselling

Price Undercutting during POI			
Country	Net selling Price petitioner	Landed Price from subject country	Price Undercutting
M/s KSC, Singapore	****	****	****
M/s Hengdian, China PR	****	****	****

#### H. Threat of Injury

40. The Authority has examined the contention of the domestic industry that it is facing threat of material injury apart from material injury. The Authority notes that as per 3.7 of Agreement of Anti Dumping, a determination of threat of material injury shall be based on facts, and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances, which could create a situation in which the dumping would cause injury, must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the Authority has analysed factors laid down as per 3.7(i) –(iv) of the Agreement on Anti-Dumping and as per Annexure II of the Anti Dumping Rules made under the Customs Tariff Act.

175461/2003-II

- a) There has been a significant rate of increase of dumped imports into the domestic market from China PR during the POI over the previous year. During the POI also, there has been a substantial increase of imports from China PR
  
- b) There is a substantial unutilised capacity of the exporters from the subject countries with regard to the availability of subject goods. The Authority notes from the response of M/s KSC, Singapore that their quantity of closing stock which was \*\*\*\*MT during January – July 2001 increased to \*\*\*\* MT (July-December 2001) and even during January to March period, the closing stock of the subject goods are at \*\*\*\* MT which is more than three times of the total exports to India from Singapore. The Authority notes that M/s Hengdian group from China PR is having an unutilized capacity of \*\*\*\*kg as per the submissions made by them.
  
- c) It is also noted that the exporter from Singapore and China PR has a substantial capacity to manufacture PHPG DS at a short notice as it continues to carry a significant unutilised capacity for the production of major raw material of the subject goods i.e. PHPG Base and subject goods PHPG DS at its same plant.

#### K. Material retardation

41. In addition to the material injury and threat of injury, the present petition is also concerned with the impact of dumped imports causing material retardation of the establishment of the industry. Since the petitioner is attempting to settle its production in the Indian market and the imports from the subject countries are preventing commercialisation of the production by the domestic industry, the imports are causing material retardation to the establishment of the industry. Though, the "nascent industry" i.e. M/s Daurala Organics Ltd. has recently started production, the industry is yet to find its place in the market. Domestic Industry is unable to achieve a satisfactory level of capacity utilisation and to find its place in the market, because, at the nascent stage itself the domestic industries is facing material retardation, by imports at dumped prices from the subject countries.

#### L. CAUSAL LINK:

42. In determining whether injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts: -

- (i) Substantial imports of subject goods from China PR and Singapore at dumped prices forced the domestic industry to reduce its selling prices to unremunerative level, which has resulted in a situation of price undercutting in the Indian market.
- (ii) The imports from China PR and Singapore suppressed the prices of the product in the Indian market to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost of production and earn a reasonable profit from the sale of subject goods in India.

43. The Authority, therefore, notes from the above that the imports from the subject countries especially China PR have been at a price below the net selling price of the domestic industry. Imports from other countries have been much less and prices from these countries are higher. Further, the imports from both the subject countries into India have been at a price lower than the non-injurious price for the domestic industry. The Authority could not find any evidence of contraction of demand, change in pattern of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers. It is also noted that developments in technology has not been a cause for injury to the domestic industry. It is also noted that there has been rapid increase in imports from subject countries and these countries carry a significant unutilised capacity for the manufacture of the subject goods. Though, the "nascent industry" i.e. M/s Daurala Organics Ltd. has recently started production, the industry is yet to find its place in the market. Domestic Industry is unable to achieve a satisfactory level of capacity utilisation and to find its place in the market, because, at the nascent stage itself the domestic industries is facing material retardation, by imports at dumped prices from the subject countries.

These parameters collectively and cumulatively indicate that the petitioner has suffered material injury, threat of injury and material retardation due to the dumped imports.

44.. The landed value is determined for the subject goods after adding onto the weighted average CIF export price, the applicable level of customs duties (except duties levied under Section 3, 3(A), 8B, 9, 9(A) and 1% towards landing charges.

45. While determining the non-injurious price for the like articles for the domestic industry, the Authority has used the actual cost of production of the subject goods to determine optimum cost of production for the domestic industry which would take into account the normated best consumption norms and the actual price of the raw materials which are consumed for the production of the subject goods during the period of

investigation. For calculation of injury margin, it has compared ex-factory non-injurious price determined for the period of investigations with the landed value of the imported goods.

46. Duty up to dumping margin:

The Authority recommends the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry.

M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST:

47. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.

The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

N. CONCLUSIONS:

48. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (i) The subject goods have been exported to India from subject countries below its normal value;
- (ii) The Domestic Industry has suffered material injury and is facing threat of material injury also.

(iii) The Domestic Industry, on account of the injury being suffered, is also facing material retardation in the establishment of new industry to manufacture subject goods.

(iv) The material injury, threat of injury and material retardation is on account of dumped imports from subject countries/ territories

(iv). The Authority considers it necessary to impose definitive anti dumping duty on all imports of D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine methyl potassium Dane Salt from subject countries/territory in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is compared with the Non Injurious Price of the petitioner company determined for the period of investigation.

(v). Accordingly, the Authority recommends that the definitive Anti dumping duties be imposed by the Central Government on all imports of D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Methyl Potassium Dane Salt also known as: D (-) PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE DANE SALT (METHYL POTASSIUM), D (-) ALPHA PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE DANE SALT (METHYL POTASSIUM), D (-) ALPHA PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE, METHYL POTASSIUM DANE SALT, D(-) ALPHA PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE METHYL ACETO ACETATE POTASSIUM SALT (DANE SALT) falling under Custom Heading 2942 originating in or exported from China PR and Singapore. The Anti-Dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column 3 of the following table and the landed value of imports per Kg. on all the imports of subject goods falling under Chapter 29 of the Customs Tariff, originating in or exported from the subject territory/countries mentioned below: -

Country/Territory (1)	Producer/exporter (2)	Amount US\$/kg (3)
China PR	M/s Hengdian Group Jiayuan Chemical Co Ltd	16.16
	Other Producers/Exporters	16.16

Singapore	Kaneka Singapore Corporation, Singapore	13.51
	Other Producers/exporters	13.51

vi). Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

49. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 1<sup>st</sup> October 2002.

50. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority